

सांसद राहुल गांधी की अध्यक्षता में जिला विकास समन्वय एवं अनुश्रवण समिति (दिशा) की बैठक

❑ बैठक में जिले के विकास से जुड़े सभी बिंदुओं पर विस्तार पूर्वक चर्चा की गई

कैनविज टाइम्स संवाददाता

रायबरेली। सांसद रायबरेली, अध्यक्ष ‘दिशा’ समिति राहुल गांधी की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला विकास समन्वय एवं अनुश्रवण समिति ‘दिशा’ की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में सांसद, अमेठी सह-अध्यक्ष ‘दिशा’ समिति किशोरी लाल, मंत्री खाद्य एवं रसद तथा नागरिक आपूर्ति विभाग उग्र मनोज कुमार पाण्डेय, राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार), उद्यान, कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार एवं कृषि निर्यात, उग्र दिनेश प्रताप सिंह उपस्थित रहे।

बैठक में जिले के विकास से जुड़े सभी बिंदुओं पर विस्तार पूर्वक चर्चा की गई। बैठक में जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका ने जिला विकास समन्वय एवं अनुश्रवण समिति (दिशा) से सम्बन्धित



समस्त योजनाओं का बिन्दुवार प्रस्तुतीकरण किया। मा0 अध्यक्ष ने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारण्टी योजना (मनरेगा), प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण), राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, दीनदयाल उपाध्याय-ग्रामीण, राष्ट्रीय वृद्धा पेंशन योजना, राष्ट्रीय निराश्रित पेंशन योजना, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, स्वच्छ भारत मिशन, जल जीवन मिशन(हर घर नल से जल), प्रधानमंत्री कृषि सिचाई योजना, मध्यान्ह भोजन योजना, समेकित बाल विकास

कार्यक्रम, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन,समग्र शिक्षा अभियान, प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना, अवस्थापना सम्बन्धी कार्यक्रम, समन्वित ऊर्जा विकास कार्यक्रम, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि,मुदा स्वास्थ्य कार्ड, जल प्रबन्धन सड़क योजना, सुकन्या मंगला योजना,एक जिला एक उत्पाद, राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम, खेलो इंडिया, सुगम्य भारत अभियान, प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना,

प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना सहित अन्य योजनाओं पर गम्भीरतापूर्वक चर्चा की गई। सांसद ने प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण/शहरी) की समीक्षा करते हुए निर्देश दिये कि शत-प्रतिशत पात्र लोगों को आवास का लाभ दिलाया जाये। उन्होंने राष्ट्रीय वृद्धापेशन, राष्ट्रीय निराश्रित महिला पेंशन, दिव्यांग पेंशन की समीक्षा करते हुए निर्देश दिये कि लाभार्थियों को समय से पेंशन की किस्त उपलब्ध करायी जाए। जल निकायों की मरम्मत, नवीनीकरण, पुनरुद्धार का कार्य प्राथमिकता से कराये जाने के निर्देश दिये। जल जीवन मिशन (हर घर जल से नल) की समीक्षा में निर्देश दिये कि शत-प्रतिशत घरों में पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करायी जाए, योजनान्तर्गत निर्माणधीन कार्यों को शीघ्र पूर्ण कराया जाये। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के अन्तर्गत क्रियान्वित राष्ट्रीय राजमार्गों के निर्माण की समीक्षा करते हुए निर्देश दिये कि राष्ट्रीय राजमार्गों पर ब्लैक स्पॉट का चिन्हानक कर उसमें सुधारात्मक कार्यवाही सुनिश्चित करायी जाए, जिससे कि सड़क दुर्घटनाओं को रोका जा सके।

राष्ट्रीय लोक अदालत की तैयारियों को लेकर अधिकारियों की बैठक आयोजित

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बदायूं। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं उग्र राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ के निर्देशों के अनुपालन में एवं माननीय जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बदायूं के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बदायूं द्वारा 12 सितम्बर 2026 को जनपद-बदायूं में समय प्रातः 10:00 बजे से राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बदायूं की अध्यक्षता में किया जाना सुनिश्चित किया गया है।

राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाये जाने हेतु जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के आदेश के अनुपालन में राजवीर सिंह, नोडल अधिकारी, राष्ट्रीय लोक अदालत, बदायूं

❑ राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बदायूं की अध्यक्षता में किया जाना सुनिश्चित किया गया है

एवं अंकित रस्तोगी, सिविल जज (सी0डि)/त्वरित न्यायाधीश/प्रभारी सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बदायूं द्वारा अपर जिलाधिकारी (प्रशासन)/नोडल अधिकारी (रा0ले0अ0) जनपद बदायूं, उपजिलाधिकारी, बिसौली, उपजिलाधिकारी, बिल्सी, उपजिलाधिकारी, सहसवान, उपजिलाधिकारी, सदर, उपजिलाधिकारी, दातागंज, जनपद बदायूं, तहसीलदार, बिल्सी, सहसवान, बदायूं पुलिस क्षेत्राधिकारी, उड्डानी, बिल्सी,

काशी के शहरी ढांचे को आधुनिक बनाने की शुरु हुई पहल

कैनविज टाइम्स संवाददाता

वाराणसी। काशी के शहरी ढांचे को आधुनिक बनाने और इसकी समृद्ध सांस्कृतिक व आध्यात्मिक विरासत को संरक्षने की दिशा में सोमवार को एक बड़ा कदम उठाया गया। भारत पेट्रोलियम निगम लिमिटेड (बीपीसीएल) ने अपने कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) मद से वाराणसी में 69.21 करोड़ रुपये से अधिक की दो महत्वाकांक्षी परियोजनाओं के लिए समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। इस योजना के तहत 48 करोड़ रुपये से 119 पार्कों का जीर्णोद्धार किया जाएगा और सारनाथ व मैदागिन में 2 आधुनिक फूड स्ट्रीट हब भी संचारे जाएंगे। ताज होटल में आयोजित एक समारोह में महापौर अशोक कुमार तिवारी, मंडलायुक्त एस. राजलिंगम और बीपीसीएल के अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक संजय खन्ना की गरिमामय उपस्थिति में इन करारों पर हस्ताक्षर किए गए। इस अवसर पर बीपीसीएल के कार्यकारी निदेशक (एचआरएम) डी. पार्थसारथी, नगर आयुक्त हिमांशु नागपाल, वाराणसी विकास प्राधिकरण (वीडीए) के उपाध्यक्ष पूर्ण बोर्रा, केआईपीआरएफ के निदेशक अमरेंद्र तिवारी समेत बीपीसीएल व जिला प्रशासन के कई



कार्यान्वित होगी।

दूसरी ओर ?वाराणसी विकास प्राधिकरण (वीडीए) के साथ 21.21 करोड़ रुपये के दूसरे एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए हैं। इसके तहत शहर के प्रमुख ऐतिहासिक मार्गों का कायाकल्प होगा। ठठेरी हेरिटेज गली से काल भैरव मंदिर तक का विरासत

गलियारा संवारा जाएगा। गोवैलिया चौराहा से मैदागिन चौराहा तक के अग्रभाग (फसाद) का सौंदर्यीकरण किया जाएगा। मणिकर्णिका घाट पर मणिकर्णिकेश्वर मंदिर की ओर जाने वाली गली का पुनर्विकास किया जाएगा।

इन कार्यों में विरासत के अनुकूल सड़क निर्माण, पत्थरों की पक्की सड़क, अग्रभाग का नवीनीकरण, हेरिटेज लाइट, साइनबोर्ड, स्ट्रीट फर्नीचर, भित्ति चित्र (म्यूरल), सार्वजनिक कला और पैदल यात्रियों के अनुकूल बुनियादी ढांचा तैयार किया जाएगा। 36 महीने की अवधि में पूर्ण होने वाली इन परियोजनाओं से वादासी की नागरिक सुविधाओं, शहरी सौंदर्य, पर्यावरण स्थिरता और विरासत पर्यटन में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। इससे स्थानीय निवासियों, श्रद्धालुओं और पर्यटकों को विश्वस्तरीय सुविधाएं मिलने के साथ-साथ स्थानीय विक्रेताओं के लिए आजीविका के नए अवसर पैदा होंगे।

राहुल गांधी से मिले अमेठी के कांग्रेस नेता, संगठन व जनसमस्याओं पर हुई चर्चा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

अमेठी, रायबरेली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी बुधवार को एक दिवसीय दौरे पर रायबरेली पहुंचे। इस दौरान उन्होंने भोएमऊ गेस्ट हाउस और रायबरेली स्थित सांसद आवास पर कांग्रेस नेताओं व कार्यकर्ताओं से मुलाकात की।

राहुल गांधी से मिलने वालों में अमेठी कांग्रेस जिलाध्यक्ष प्रदीप सिंघल, वरिष्ठ कांग्रेस नेता राजीव सिंह, रामलखन शुक्ला, धर्मेन्द्र शुक्ला, नरेंद्र मिश्रा, देवमणि तिवारी, विनोद मिश्रा तथा यूथ कांग्रेस जिलाध्यक्ष शुभम सिंह सहित कई वरिष्ठ अधिकारी और कार्यकर्ता शामिल रहे। इस दौरान अमेठी सांसद किशोरी लाल शर्मा और पूर्व एमएलसी दीपक सिंह भी मौजूद रहे। बैठक में संगठन को मजबूत बनाने, क्षेत्रीय समस्याओं तथा जनहित से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई।

बाढ़ राहत सामग्री वितरण में विवाद, दलित चौकीदार के परिवार पर दबंगों का कहर

❑ इस घटना में एक मासूम बच्ची सहित परिवार के चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं

कैनविज टाइम्स संवाददाता

रायबरेली। कोतवाली क्षेत्र के पूरेलोदी मंजरे पिंडारी कला गांव में बाढ़ राहत सामग्री बांटने के दौरान हुए एक छोटे से विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। गांव के ही कुछ दबंगों ने दलित चौकीदार के घर पर धावा बोलकर लाठी-डंडों और धारदार हथियारों से जानलेवा हमला कर दिया। इस घटना में एक मासूम बच्ची सहित परिवार के चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं।

जातिसूचक अपशब्दों से हुई विवाद की शुरुआत

प्राप्त जानकारी के अनुसार, महाराजगंज कोतवाली में बतौर चौकीदार तैनात पूरे लोदी मंजरे रामचरन ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि बीते रविवार 6 सितंबर को जब गांव में बाढ़ पीड़ितों के लिए राहत सामग्री बांटी जा रही थी तब उनका का बेटा



हमला कर दिया। इस खूनी खेल में रामचरन, उनके बेटे पवन और बहू को गहरी चोटें आई हैं। दबंगों की हैवानियत का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि उन्होंने घर में मौजूद पीड़ित की एक छोटी मासूम पोती को भी नहीं बख्शा और

पवन कुमार भी वहां सामग्री लेने पहुंचा था। आरोप है कि वहां मौजूद गांव के ही राम कुमार ने पवन को देखते ही सरेआम जातिसूचक गालियां देनी शुरू कर दीं। भरी सभा में हुए इस भारी अपमान से खुश होकर पवन ने राहत सामग्री नहीं ली और चुपचाप अपने घर लौट आया।

घर में घुसकर हैवानियत और मासूम पर हमला

मामला केवल गालियों तक सीमित नहीं रहा। घटना के कुछ ही समय बाद, आरोपी राम कुमार अपने सहयोगी अभिषेक, सर्वेश और सतीश के साथ लाठी-डंडे और चक्र लेकर रामचरन के घर जा धमकाे। जब पीड़ित परिवार ने इस गुंडागर्दी का विरोध किया, तो दबंगों ने उन पर बर्बरतापूर्वक

उसे बेरहमी से उठाकर जमीन पर पटक दिया, जिससे वह बच्ची भी घायल हो गई।

गांव छोड़ने की धमकी और पुलिस कार्रवाई

हमले को अंजाम देने के बाद, दबंग आरोपी पूरे परिवार को गांव से बाहर निकालने और जान से मारने की खुली धमकियां देते हुए वहां से फरार हो गए। स्थानीय ग्रामीणों ने बताया कि ये आरोपी आपराधिक प्रवृत्ति के हैं और अक्सर गांव के लोगों का उत्पीड़न करते हैं। घटना के बाद पीड़ित चौकीदार ने तहरीर दी है। क्षेत्राधिकारी प्रदीप कुमार ने बताया घटना की जांच के लिए कोतवाल को निर्देश दिए गए हैं। आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक आयोजित होगा सेवा संकल्प अभियान

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बदायूं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जनसेवा के 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर केन्द्र सरकार द्वारा 17 सितंबर से एक माह का सेवा संकल्प अभियान शुरू किया जाएगा। प्रधानमंत्री के जन्मदिन के अवसर पर शुरू होने वाला यह अभियान 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक जनभागीदारी के साथ आयोजित किया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 07 अक्टूबर को जनसेवा के 25 वर्ष पूरे करेंगे। इसी दिन प्रधानमंत्री के प्रति आभार व्यक्त करने के लिए सेवा ज्योति कलाश यात्रा भी निकाली जाएगी, जो गांवों और शहरी क्षेत्रों को जोड़ेगी। ‘सेवा मेरा योगदान’ कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न सेवा गतिविधियां जनभागीदारी के साथ संचालित की जाएंगी।

बुधवार को सेवा संकल्प अभियान के

अंतर्गत जिलाधिकारी अवनीश राय की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित सभागार में मुख्य विकास अधिकारी गामिनी सिंगला, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ0 विकास शर्मा, जिला विकास अधिकारी मनोज कुमार सिंह सहित अन्य संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन एवं अधिक से अधिक पात्र लाभार्थियों को शासन द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि ग्राम पंचायतों में कैंप का प्लान इस प्रकार तैयार किया जाए कि वहां अधिक से अधिक पात्र लाभार्थी उपलब्ध हो सकें और ज्यादा से ज्यादा लोगों को जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाया जा सके। सप्ताह में एक दिन निर्धारित करते हुए यह सुनिश्चित किया जाए कि सभी संबंधित

अधिकारी अथवा उनके प्रतिनिधि एक ही ग्राम पंचायत में उपस्थित रहकर ग्रामीणों की समस्याओं एवं योजनाओं से संबंधित कार्यों का निस्तारण करें। कैंप की तिथि एवं उपस्थित अधिकारियों की जानकारी पंचायत भवन की दीवार पर चस्पा कराई जाए।

उन्होंने निर्देश दिए कि ग्राम चौपाल में ग्रामीणों की समस्याओं का प्रभावी ढंग से निराकरण सुनिश्चित किया जाए तथा अधिक से अधिक पात्र लाभार्थियों को योजनाओं से लाभान्वित करने के लिए लक्ष्य निर्धारित कर कार्य किया जाए। लाभार्थीपक योजनाओं का लाभ सभी पात्रों तक पहुंचे और कोई पात्र व्यक्ति वंचित न रहे, इसके लिए योजनाओं का व्यापक स्तर पर प्रचार-प्रसार भी सुनिश्चित किया जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि ग्रामीणों को विभिन्न योजनाओं के आवेदन करने में किसी प्रकार की परेशानी न हो,

इसके लिए उनके योजनाओं से संबंधित आवेदन कराए जाएं तथा संबंधित अधिकारी एवं उनके प्रतिनिधि भी मौके पर उपस्थित रहें। उन्होंने कहा कि ग्राम चौपाल तभी सफल होगी जब ग्रामीणों की समस्याओं का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण समाधान सुनिश्चित हो और किए गए कार्यों की लगातार निगरानी एवं मॉनीटरिंग की जाए।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि ग्राम पंचायतों में आयोजित कैंप के बाद यह भी समीक्षा की जाए कि कितने पात्र लाभार्थियों को योजनाओं का लाभ मिला तथा कितने प्रकारणों का निस्तारण किया गया। इस प्रकार की सतत मॉनीटरिंग से अभियान को प्रभावी बनाया जाए और शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक पात्र लोगों तक पहुंचाया जाए और कृत कार्यवाही से उन्हें भी अवगत कराया जाए। इस अवसर पर समस्त सम्बंधित अधिकारी मौजूद रहे।

25 सितम्बर तक होगा निःशुल्क खाद्यान्न एवं चीनी का वितरण बदायूं , कैनविज टाइम्स संवाददाता। जिला पूर्ति अधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि आयुक्त, खाद्य तथा रसद विभाग, उत्तर प्रदेश के पत्र के अनुपालन में अन्त्योदय एवं पात्र गृहस्थी कार्डधारकों को राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम–2013 के अन्तर्गत माह सितम्बर, 2026 के सापेक्ष आवंटित खाद्यान्न गेहूं एवं चावल तथा जनपद में उचितदर विक्रेताओं के पास उपलब्ध अवशेष मोटे अनाज बाजार एवं मक्का का निःशुल्क वितरण किया जाएगा। अन्त्योदय कार्डधारकों को द्वितीय त्रैमास जुलाई, अगस्त एवं सितम्बर, 2026 के सापेक्ष चीनी का वितरण भी माह सितम्बर में दिनांक 10 सितम्बर से 25 सितम्बर, 2026 के मध्य किया जाएगा। उन्होंने बताया कि जनपद में जिन उचितदर दुकानों पर मोटे अनाज बाजार एवं मक्का का अवशेष स्टॉक उपलब्ध है, वहां अन्त्योदय कार्डधारकों को प्रति कार्ड 21 किलोग्राम गेहूं, 09 किलोग्राम चावल, 04 किलोग्राम बाजार एवं 01 किलोग्राम मक्का, उपलब्धता के अनुसार कुल 35 किलोग्राम खाद्यान्न निःशुल्क वितरित किया जाएगा। इसके साथ ही अन्त्योदय कार्डधारकों को 03 किलोग्राम चीनी प्रति कार्ड 18 रुपये प्रति किलोग्राम की दर से कुल 54 रुपये में उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम–2013 के अन्तर्गत पात्र गृहस्थी कार्डधारकों को प्रति व्यक्ति 02 किलोग्राम गेहूं, 02 किलोग्राम बाजार एवं 01 किलोग्राम मक्का, उपलब्धता के अनुसार निःशुल्क वितरित किया जाएगा। माह सितम्बर, 2026 में उचितदर की दुकानों पर मोटे अनाज बाजार एवं मक्का का उपलब्ध स्टॉक समाप्त होने के उपरान्त ही उसके स्थान पर शासन द्वारा निर्धारित निर्देशों के अनुसार गेहूं एवं चावल का वितरण किया जाएगा। उन्होंने जनपद के समस्त अन्त्योदय एवं पात्र गृहस्थी कार्डधारकों से अपील की है कि वे दिनांक 25 सितम्बर 2026 अपने संबंधित उचितदर विक्रेता से शासन द्वारा निर्धारित मात्रा के अनुसार खाद्यान्न एवं पात्रता के अनुसार चीनी प्राप्त करने का कष्ट करें।

काशी क्षेत्र के नवनियुक्त उपाध्यक्ष सुनील पटेल का भव्य स्वागत अमेठी,कैनविज टाइम्स संवाददाता। भारतीय जनता पार्टी काशी क्षेत्र के नवनियुक्त क्षेत्रीय उपाध्यक्ष सुनील पटेल के सम्मान में क्षेत्र के वरिष्ठ भाजपा नेता काशी प्रसाद तिवारी के आवास पर स्वागत समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में भाजपा पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने उनका माल्यार्पण कर स्वागत किया। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष सुधांशु शुक्ला, किसान मोर्चा प्रतापगढ़ के जिलाध्यक्ष विजय मिश्रा, जगन्नाथ पांडेय, मंडल अध्यक्ष राजेश शुक्ला, पूर्व मंडल अध्यक्ष चंद्रकेश यादव, अनुपम मिश्रा सहित अमेठी जिले के अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं शुभचिंतक उपस्थित रहे बक्ताओं ने कहा कि सुनील पटेल के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष बनने से संगठन को नई ऊर्जा मिलेगी और पार्टी की नीतियों को जन–जन तक पहुंचाने में मजबूती मिलेगी। कार्यक्रम में संगठन की एकजुटता, कार्यकर्ताओं के उत्साह और मजबूत संगठनात्मक भावना का परिचय देखने को मिला। अंत में उपस्थित पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने सुनील पटेल को नई जिम्मेदारी मिलने पर बधाई देते हुए उनके सफल एवं उज्ज्वल कार्यकाल की कामना की।

तालाब की भूमि पर अतिक्रमण से हरदेव नगर में जलभराव, ग्रामीणों ने डीएम से लगाई गुहार अमेठी,कैनविज टाइम्स संवाददाता। राजस्व ग्राम खेरीना के हरदेव नगर मोहल्ले में तालाब की भूमि पर कथित अतिक्रमण के कारण जलभराव की गंभीर समस्या उत्पन्न हो गई है। ग्रामीणों ने जिलाधिकारी को शिकायती पत्र सौंपकर तालाब की भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने और समस्या का स्थायी समाधान करने की मांग की है। ग्रामीणों के अनुसार, गाटा संख्या 497/1 एवं 497/2 तालाब की भूमि के रूप में दर्ज है। आरोप है कि कुछ लोगों द्वारा इस भूमि पर अतिक्रमण कर लिया गया है, जिससे वर्षा का पानी निकासी नहीं हो पा रहा है। परिणामस्वरूप मोहल्ले के रास्तों और आसपास के क्षेत्रों में जलभराव की स्थिति बनी रहती है, जिससे लोगों का आवागमन प्रभावित हो रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि इस संबंध में पूर्व में कई बार प्रशासन से शिकायत की जा चुकी है, लेकिन अब तक कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई। उन्होंने बताया कि इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लम्बाऊ खंडपीठ में दायर जनहित याचिका संख्या 252/2026 में भी तालाब को अतिक्रमण मुक्त कराने के निर्देश दिए गए थे, इसके बावजूद स्थिति जस की तस बनी हुई है। ग्रामीणों ने जिलाधिकारी से तालाब की भूमि से अतिक्रमण हटवाकर जल निकासी की व्यवस्था सुनिश्चित करने तथा जलभराव की समस्या का स्थायी समाधान कराने की मांग की है।



कैनविज टाइम्स संवाददाता

भेंटुआ, अमेठी। मरीजों को सस्ती द्रों पर गुणवत्तापूर्ण दवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से संचालित जन औषधि केंद्र भेंटुआ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में लंबे समय से बंद पड़ा है। केंद्र बंद होने से इलाज के लिए आने वाले मरीजों को दवाएं बाहर के मेडिकल स्टोर्स से खरीदनी पड़ रही हैं।

मरीजों का कहना है कि सरकारी अस्पताल में उपचार के बाद भी दवाएं बाजार से खरीदने की मजबूरी के कारण आर्थिक बोझ बढ़ रहा है। कई जरूरतमंद मरीज महंगी दवाएं खरीदने को विवश हैं।

पूर्वोत्तर रेलवे, वाराणसी भारतेंदु हरिश्चंद्र जयंती के अवसर पर वाराणसी मंडल में राजभाषा सप्ताह का शुभारम्भ

कैनविज टाइम्स संवाददाता

वाराणसी। वाराणसी मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय के भारतेंदु सभा कक्ष में भारतेंदु हरिश्चंद्र जी की जयंती के अवसर पर राजभाषा सप्ताह का शुभारम्भ, मंडल राजभाषा तिमाही प्रगति की समीक्षा, सदस्यों के विचार एवं सुझाव तथा प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन मंडल रेल प्रबंधक, वाराणसी आशीष जैन की अध्यक्षता में किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ मंडल रेल प्रबंधक एवं उपस्थित अधिकारियों द्वारा भारतेंदु हरिश्चंद्र जी के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया।

इस अवसर पर अपर मंडल रेल प्रबंधक (इन्फ्रा) अजय सिंह, अपर मंडल रेल प्रबंधक (परिचालन) अशोक कुमार वर्मा, वरिष्ठ मंडल इंजीनियर (समन्वय) विकास कुमार सिंह, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक प्रशस्ति श्रीवास्तव, वरिष्ठ मंडल परिचालन तभी मिल सकेगा, जब केंद्र नियमित रूप से संचालित हो और मरीजों को आवश्यक दवाएं समय पर उपलब्ध हों।



सिगनल एवं दूरसंचार इंजीनियर-द्वितीय अमित मणि त्रिपाठी, वरिष्ठ मंडल वित्त प्रबंधक श्री राजेश कुमार, वरिष्ठ मंडल यांत्रिक इंजीनियर (ए&ड) अनुभव पाठक, वरिष्ठ मंडल आंकड़ा एवं संसाधन प्रबंधक एवं राजभाषा अधिकारी आशुतोष पाण्डेय सहित मंडल के वरिष्ठ अधिकारी, स्टेशन राजभाषा समिति के सदस्य एवं रेलकर्मि उपस्थित रहे।

अपने अध्यक्षीय संबोधन में मंडल रेल प्रबंधक आशीष जैन ने सभी वरिष्ठ अधिकारियों, विशेष अतिथि दीपेश चंद्र चौधरी तथा उपस्थित रेलकर्मियों का स्वागत करते हुए कहा कि यह हर्ष का विषय है कि राजभाषा सप्ताह का शुभारम्भ भारतेंदु

हरिश्चंद्र जी की जयंती के अवसर पर किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि वाराणसी मंडल प्रारम्भ से ही राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार में अग्रणी रहा है तथा विभिन्न मंचों पर मंडल को मंडलीय एवं रेलवे बोर्ड स्तर पर अनेक पुरस्कार प्राप्त हुए हैं।

उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि वाराणसी मंडल भविष्य में भी राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता रहेगा। उन्होंने कहा कि हिंदी का व्यापक प्रयोग सुनिश्चित करते हुए इसे जन-जन तक पहुंचाना हमारा दायित्व है। राजभाषा सप्ताह के दौरान विभिन्न नवीन एवं रोचक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है।

पीलीभीत के किसानों को मिली बड़ी सौगात, वीरांगना रानी अवंती बाई लोधी बासमती एवं जैविक प्रशिक्षण केंद्र सह प्रदर्शन फार्म’ का हुआ शिलान्यास

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पीलीभीत। जनपद की कृषि क्षमता विशेषकर बासमती उत्पादन को नई पहचान दिलाने की दिशा में आज एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया। जनपद पीलीभीत के टांडा बिजैसी में बासमती एक्सपोर्ट डेवलपमेंट फाउंडेशन के वीरांगना रानी अवंती बाई लोधी बासमती एवं जैविक प्रशिक्षण केंद्र सह प्रदर्शन फार्म’ का शिलान्यास भारत सरकार के वाणिज्य एवं उद्योग तथा इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के माननीय केंद्रीय राज्यमंत्री जितिन प्रसाद एवं सूर्य प्रताप शाही कृषि मंत्री, उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा किया गया।यह केंद्र पीलीभीत और आसपास के क्षेत्रों के किसानों को आधुनिक कृषि तकनीक, गुणवत्तापूर्ण बासमती बीज,जैविक खेती, बीज उत्पादन, गुणवत्ता मानकों तथा कृषि उत्पादों को अंतरराष्ट्रीय बाजार तक पहुंचाने से संबंधित प्रशिक्षण और तकनीकी सहयोग उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।राजकीय इंटर कॉलेज,

पुलिस ने बाइक सवार युवक को गिरफ्तार कर भेजा जेल

अमेठी । थाना भाले सुल्तान शहीद स्मारक पुलिस ने आपरेशन चक्रव्यूह अभियान के तहत बाइक सवार एक युवक को एक तमंचा व एक जिन्दा कारतूस के साथ गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है।पुलिस अधीक्षक अमेठी श्री सरवणन टी. के निर्देश पर स्थानीय पुलिस द्वारा क्षेत्र में संदिग्धों की चेकिंग व अपराध एवं अपराधियों की धर पकड़ हेतु चलाये जा रहे अभियान आपरेशन चक्रव्यूह के तहत बुधवार को थाना भाले सुल्तान शहीद स्मारक के उप निरीक्षक ब्रजेश कुमार यादव मय हमराह सौरभ वर्मा एवं राम जी तिवारी द्वारा तलाश वांछित, देखभाल क्षेत्र व चेकिंग संदिग्ध व्यक्ति, वस्तु, वाहन के दौरान मुखबिर की सूचना पर मोटर साइकिल संख्या यूपी 36 यू. 9210 पर सवार प्रभाकर सिंह पुत्र अनिल कुमार सिंह निवासी ग्राम गाजनपुर थाना भाले सुल्तान शहीद स्मारक जनपद अमेठी उग्र करीब पच्चीस वर्ष को गिरफ्तार किया गया। टीवीएस स्पोर्ट्स मोटरसाइकिल के कागज दिखा नहीं सका और पुलिस टीम द्वारा की गई तलाशी में युवक के कब्जे से एक तमंचा व एक जिंदा कारतूस बरामद हुआ है।थाना भाले सुल्तान शहीद स्मारक पुलिस द्वारा आरम्भ एक्ट के तहत मुकदमा दर्जकर जेल भेज दिया गया है।

गन्ना किसानों के बीच पहुंचे जिला गन्ना अधिकारी दी जानकारी



कैनविज टाइम्स संवाददाता

पीलीभीत।किसान सहकारी चीनी मिल पूरनपुर क्षेत्र के ग्राम अंडबोझी में गन्ना किसानों को प्राथमिक कैलेंडर का वितरण किया गया जिला गन्ना अधिकारी पीलीभीत ने किसानों को कैलेंडर वितरित किए और गन्ना उत्पादन से जुड़ी जरूरी जानकारी उपलब्ध कराई प्राथमिक कैलेंडर मिलने से किसानों को गन्ने से संबंधित विवरण और आगामी गतिविधियों की जानकारी समय से मिल सकेगी कार्यक्रम में चीनी मिल के प्रधान प्रबंधक, ज्येष्ठ गन्ना विकास

संघर्ष, सरोकार और निर्भीक पत्रकारिता की मिसाल थे लाला जगत नारायण : नीरज तिवारी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सुल्तानपुर। प्रेस क्लब सुल्तानपुर में बुधवार को निर्भीक पत्रकारिता के पुरोधा एवं प्रखर समाजसेवी लाला जगत नारायण जी की 45वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पत्रकारों एवं गणमान्य लोगों ने लाला जगत नारायण के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। श्रद्धांजलि सभा में नीरज तिवारी, रामानंद, ललित शुक्ला, कृतेश और शरद ने अपने विचार व्यक्त किए। वक्ताओं ने लाला जगत नारायण के संघर्षपूर्ण जीवन, जनसरोकारों से जुड़ी पत्रकारिता तथा उनकी निर्भीक और निष्पक्ष पत्रकारिता को याद करते हुए उनके आदर्श पर चलने का आह्वान किया। वक्ताओं ने कहा कि लाला जगत नारायण ने पत्रकारिता को केवल समाचारों तक सीमित न रखते हुए उसे आमजन की आवाज बनाने का काम किया। विपरीत परिस्थितियों में भी उन्होंने अपने सिद्धांतों

केंद्रीय राज्यमंत्री जितिन प्रसाद एवं कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने रखी बासमती एवं जैविक कृषि को नई दिशा देने वाली परियोजना की आधारशिला

न्यूरिया कॉलोनी में आयोजित शिलान्यास कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में उत्तर प्रदेश सरकार के कृषि, कृषि शिक्षा एवं कृषि अनुसंधान मंत्री श्री सूर्य प्रताप शाही, कृषि, कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान राज्यमंत्री बलदेव सिंह औलख, एमएलसी सुधीर गुप्ता, जिलाध्यक्ष गोकुल प्रसाद मौर्य, बरखेड़ा विधायक स्वामी प्रवक्तानंद, बीसलपुर विधायक विवेक वर्मा, पूरनपुर विधायक बाबूराम पासवान, ब्लाक प्रमुख मरौरी सभ्यता वर्मा, नगर पालिका अध्यक्ष आस्था अग्रवाल सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे।कार्यक्रम में किसानों, निर्यातकों एवं अन्य हितधारकों की बड़ी भागीदारी रही। लगभग 10,000 लोगों की सहभागिता वाले इस कार्यक्रम में बासमती एवं जैविक उत्पादों से संबंधित

29 ग्राम पंचायतों का सवाल हमारा प्रशासन कौन ?

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बल्दीराय/सुल्तानपुर। सरकारी नकशे पर खिंची एक लकीर कभी-कभी इतनी लंबी हो जाती है कि उसे पार करते-करते आम आदमी की समस्या ही छोटी पड़ जाए। हलियापुर क्षेत्र की 29 ग्राम पंचायतों के ग्रामीण वर्षों से कुछ ऐसी ही प्रशासनिक और राजनीतिक उलझन झेल रहे हैं।

कागजों में गांव सुल्तानपुर जिले में हैं। तहसील और विकासखंड बल्दीराय है, लेकिन लोकसभा क्षेत्र अमेठी और विधानसभा क्षेत्र जगदीशपुर। यानी गांव सुल्तानपुर में, प्रशासन सुल्तानपुर में और राजनीतिक प्रतिनिधित्व अमेठी में। अब ग्रामीणों का सवाल है कि आखिर हमारा प्रशासन कौन और हमारी राजनीतिक आवाज किसकी?

गांव एक, समस्या एक लेकिन दरवाजे कई।

स्थानीय समाजसेवी धनंजय सिंह, इंद्र बहादुर सिंह और प्रभात सिंह का कहना है कि वर्षों से चली आ रही इस सीमा-विसंगति का असर सड़क, बिजली, पानी, शिक्षा, स्वास्थ्य, राजस्व और विकास कार्यों से जुड़े मामलों में दिखाई देता है। ग्रामीणों

23 स्टॉल की प्रदर्शनी भी लगाई गई, अन्य सहभागी संस्थाओं की गतिविधियों और उत्पादों को प्रदर्शित किया गया।केंद्रीय राज्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में देश की कृषि व्यवस्था को आधुनिक, आत्मनिर्भर और वैश्विक बाजार के अनुरूप बनाने का कार्य निरंतर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में किसानों की आय बढ़ाने, कृषि उत्पादों की गुणवत्ता सुधारने, प्रसंस्करण एवं निर्यात को प्रोत्साहित करने तथा कृषि क्षेत्र में तकनीक के उपयोग को बढ़ावा देने पर विशेष बल दिया जा रहा है। साथ ही उन्होंने माननीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल जी का भी आभार व्यक्त किया है, जिनके सहयोग से यह योजना मूर्त रूप ले पाई है। प्रयास सराहनीय हैं और केंद्र तथा राज्य सरकार के समन्वित प्रयासों से किसानों को योजनाओं का अधिकतम लाभ मिल रहा है।इस अवसर पर केंद्रीय राज्यमंत्री जितिन प्रसाद ने कहा कि पीलीभीत में बासमती उत्पादन की अपार संभावनाएं हैं और यह केंद्र किसानों को उत्पादन से लेकर निर्यात तक की पूरी



की परेशानी का आलम यह है कि समस्या लेकर जाएं तो पहले यह तय करना पड़ता है कि समस्या सुल्तानपुर की है या अमेठी की! अधिकारी एक जिले के, जनप्रतिनिधि दूसरे क्षेत्र के और जनता बीच में। ऐसे में सवाल उठना लाजिमी है कि जवाबदेही की लकीर आखिर कहाँ खिंची है?

हमारा गांव किसके भरोसे?

वेद प्रताप सिंह, रणकिंजय सिंह, अखण्ड प्रताप सिंह उर्फ गम्बर सिंह, नीरज तिवारी, जवाहर यादव, जिला पंचायत सदस्य नरेशचंद्र उपाध्याय, रमाशंकर शुक्ल और डॉ. अजय पासवान समेत क्षेत्र के अन्य लोगों ने इस मुद्दे को लेकर सामूहिक रूप से आगे की रणनीति बनाने की बात कही है। ग्रामीणों का तंज है कि चुनाव के समय गांव सबको अपना दिखाई देता है, लेकिन समस्या आने पर वही गांव सीमा के उस पार खड़ा नजर आता है। आखिर जनता किसे अपना दरवाजा समझे?

मामला अब हाईकोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ताओं तक

मंडी सचिव के नेतृत्व में दुकानदारों को किया गया स्थानांतरित सड़क पर लगने वाली दुकानों से मिलेगी जाम से राहत

कैनविज टाइम्स संवाददाता

नानपारा, बहराइच। नानपारा-मिर्हीपुरवा मार्ग पर लंबे समय से संचालित हो रही सब्जी मंडी को व्यवस्थित करने की दिशा में प्रशासन ने कार्रवाई शुरू कर दी है। उपजिलाधिकारी प्रकाश सिंह के निर्देश पर मंगलवार को कृषि उत्पादन मंडी समिति के सचिव सचिन कुमार के नेतृत्व में दुकानदारों को मंडी समिति परिसर में स्थानांतरित कराया गया। सड़क तक लगी दुकानों को भी पीछे कराया गया, जिससे मार्ग पर आवागमन सुचारु होने की स्थिति बनी है।

प्रशासन की ओर से मंडी सचिव को निर्देश दिए गए हैं कि मिर्हीपुरवा रोड पर निर्धारित मंडी परिसर के बाहर सब्जी मंडी का संचालन न होने दिया जाए। साथ ही व्यवस्था बनाए रखने के लिए आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा गया है। बताया गया कि मंडी समिति परिसर में करीब डेढ़ दर्जन दुकानदारों को दुकानें

प्रक्रिया से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा कि किसानों को गुणवत्तापूर्ण बीज, जैविक इनपुट, आधुनिक तकनीक एवं प्रशिक्षण उपलब्ध होने के साथ-साथ निर्यात बाजारों से बेहतर जुड़ाव मिलेगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश और केंद्र की डबल इंजन की सरकार क्षेत्र के समग्र विकास हेतु प्रतिबद्ध है।उन्होंने कहा कि सरकार का प्रयास है कि किसानों को केवल उत्पादन तक सीमित न रखते हुए उन्हें गुणवत्ता, प्रसंस्करण, पैकेजिंग, विपणन और निर्यात की पूरी श्रृंखला से जोड़ा जाए, ताकि कृषि उत्पादों का बेहतर मूल्य किसानों तक पहुंच सके। प्रस्तावित केंद्र का संचालन भारत सरकार के के वित्तीय सहयोग से मेरठ के मोदीपुरम स्थित फार्म की तर्ज पर किया जाएगा। यह केंद्र बासमती एवं जैविक कृषि के क्षेत्र में प्रशिक्षण, प्रदर्शन, क्षमता निर्माण, बीज संवर्धन और तकनीकी सहयोग के लिए एक महत्वपूर्ण संस्थान के रूप में विकसित होगा।केंद्र के प्रदर्शन फार्म में अधिसूचित बासमती किस्मों एवं आधुनिक उत्पादन तकनीकों का प्रदर्शन किया जाएगा।

सीमा संबंधी इस समस्या को लेकर क्षेत्रीय समाजसेवियों ने लखनऊ हाईकोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ताओं से भी चर्चा की है। संवैधानिक, प्रशासनिक और परिसीमन से जुड़े पहलुओं को समझने के बाद आगे की रणनीति तय किए जाने की बात कही गई है। हालांकि 29 ग्राम पंचायतों को किस लोकसभा या विधानसभा क्षेत्र में रखा जाए, इसका अंतिम निर्णय निर्धारित कानूनी एवं संवैधानिक प्रक्रिया के तहत सक्षम प्राधिकारी द्वारा ही किया जा सकता है। सुल्तानपुर लोकसभा में वापसी की मांग तेज

इसी बीच 29 ग्राम पंचायतों को पुनः सुल्तानपुर लोकसभा क्षेत्र से जोड़ने की मांग जोर पकड़ रही है। समर्थकों का कहना है कि यह किसी दल के पक्ष या विपक्ष का मामला नहीं, बल्कि प्रशासनिक सुविधा, राजनीतिक प्रतिनिधित्व और विकास कार्यों की बेहतर निगरानी से जुड़ा जनसरोकार है। विपिन सिंह का कहना है कि प्रशासनिक सीमाओं और राजनीतिक क्षेत्रों के बीच खड़ा नजर आता है। आखिर जनता किसे अपना दरवाजा समझे?

मामला अब हाईकोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ताओं तक

मंडी सचिव के नेतृत्व में दुकानदारों को किया गया स्थानांतरित सड़क पर लगने वाली दुकानों से मिलेगी जाम से राहत



आवंटित हैं और उनके द्वारा नियमित रूप से किराया भी जमा किया जा रहा है। अब सब्जी कारोबार को मंडी समिति परिसर में व्यवस्थित किए जाने से कारोबारियों को एक ही स्थान पर सुविधाएं मिलने की उम्मीद है। वहीं सब्जी किसानों ने भी मंडी परिसर में कारोबार व्यवस्थित होने पर संतोष जताया। किसानों का कहना है कि व्यवस्थित मंडी व्यवस्था से उन्हें अपनी उपज की बिक्री के लिए बेहतर सुविधा मिल सकेगी। किसानों ने प्रशासन की पहल का स्वागत किया। स्थानीय लोगों के अनुसार सड़क किनारे सब्जी की दुकानें और खरीदारों की भीड़ होने के कारण

नारी सम्मान और सुरक्षा पर महिलाओं को किया जागरूक



कैनविज टाइम्स संवाददाता

गौरीगंज/अमेठी। माधवपुर के वार्ड नंबर 18 में महिला सम्मान, सुरक्षा और आत्मनिर्भरता विषयक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में समाजसेविका कंचन गुप्ता ने महिलाओं को उनके अधिकारों, सरकारी योजनाओं और विभिन्न टोल फ्री हेल्पलाइन की जानकारी देकर जागरूक किया। उन्होंने कहा कि महिला सुरक्षा और सशक्तिकरण केवल महिलाओं का नहीं, बल्कि पूरे समाज के विकास से जुड़ा विषय है। महिलाओं को अपने अधिकारों के प्रति

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बहराइच। राष्ट्रीय पंचायती राज ग्राम प्रधान संगठन, बहराइच के तत्वावधान में बुधवार को जिला पंचायत सभागार में बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में प्रदेश एवं जिला पदाधिकारियों के अलावा जनपद के समस्त विकासखंड अध्यक्ष व महामंत्री उपस्थित रहे। बैठक को संबोधित करते हुए संगठन के प्रदेश अध्यक्ष ललित शर्मा ने कहा कि ग्राम पंचायत लोकतंत्र की सबसे निचली, महत्वपूर्ण और जनसरोकार से जुड़ी इकाई है। निर्वाचन कार्यकाल समाप्त होने के बाद प्रशासक के रूप में दायित्व का निर्वहन कर रहे प्रधानों को जनता के प्रति जवाबदेह बनाया जा रहा है, लेकिन विर्द्धबना यह है कि प्रशासनिक स्तर पर लगातार अवरोध उत्पन्न कर पंचायतों के सामान्य कामकाज को प्रभावित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रशासनिक अवरोध के चलते मनरेगा के भुगतान लंबित हैं और गौशालाओं के संचालन में कठिनाइयां उत्पन्न हो रही हैं। नित नई प्रक्रिया शुरू किए जाने से गांवों



का विकास रुक गया है, जिसका सीधा नुकसान ग्रामीण जनता को उठाना पड़ रहा है। उन्होंने आह्वान करते हुए कहा कि यदि 15 दिवस के अंदर पंचायत विकास में व्याप्त अवरोध को दूर कर स्थायी समाधान नहीं किया गया तो राष्ट्रीय पंचायती राज ग्राम प्रधान संगठन जनजागरण के माध्यम से व्यापक रणनीति बनाकर अपनी बात शासन तक पहुंचाएगा। आवश्यक पड़ने पर समूचे प्रदेश के प्रधान सार्थियों को एकजुट कर लोकतांत्रिक ढंग से बड़ा संघर्ष चलाया जाएगा।जिलाध्यक्ष भगवान दीन मिश्रा ने कहा कि जनपद के सभी विकासखंडों के

प्रधान संगठन पदाधिकारी एकजुट होकर अपनी बात शासन तक पहुंचाने में लगे हैं। आवश्यकता पड़ने पर जनआंदोलन भी चलाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि पंचायतों का सम्मान, प्रधानों का अधिकार और गांवों का विकास हमारी प्राथमिकता है। बैठक को प्रदेश पदाधिकारी राकेश सिंह, शकील अहमद, प्रदेश महासचिव रामचंद्र पांडेय एवं राम सुंदर पाण्डेय ने भी संबोधित किया और प्रधान संगठन को मजबूत करने का आह्वान किया। बैठक का संचालन संरक्षक संजीव श्रीवास्तव एडवोकेट ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन प्रधान चित्तौराम कुमार यादव ने किया।

आवारा कुत्तों ने बकरी को बनाया निशाना, गांव में दहशत,छात्र ने प्रधान प्रशासक से की शिकायत

पूरनपुर कैनविज टाइम्स संवाददाता। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम महद खास में आवारा कुत्तों के आतंक से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है।छात्र लवनीत सिंह ने प्रधान प्रशासक को शिकायती प्रार्थना पत्र भेजकर बताया कि गांव में आवारा कुत्तों का झुंड घूम रहा है। बीते दिनों इन आवारा कुत्तों ने एक बकरी पर हमला कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया। इससे पशु पालकों में काफी आक्रोश है।ग्रामीणों का कहना है कि आवारा कुत्ते अक्सर बच्चों और बुजुर्गों पर भी हमला करने की कोशिश करते हैं। सुबह-शाम खेतों पर जाने में डर लगता है। कई बार शिकायत करने के बावजूद अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। छात्र लवनीत सिंह सहित अन्य ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि गांव में घूम रहे आवारा कुत्तों को जल्द से जल्द पकड़ा जाए और उन्हें कहीं सुरक्षित स्थान पर भेजा जाए, ताकि भविष्य में कोई बड़ी घटना न हो।ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो वे उच्च अधिकारियों से शिकायत करेंगे।

कई हफ्ते से घरों में भरा पानी, महिलाओं ने डीएम से लगाई गुहार, वीडियो सोशल मीडिया पर हुआ वायरल

पीलीभीत कैनविज टाइम्स संवाददाता। बीसलपुर नगर पालिका के अंतर्गत स्थित आसरा आवास कॉलोनी में जलभराव से लोगों का जीना दूषर हो गया है।बताया जा रहा है कि लगभग 1३2 आवासों में पिछले कई हफ्तों से घुटनों तक पानी भरा हुआ है। घरों में पानी भर जाने से स्कूली बच्चे स्कूल नहीं जा पा रहे हैं और नागरिकों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। घरों में रखा सामान भी खराब हो रहा है और बीमारियों का खतरा बढ़ गया है।नगर पालिका द्वारा नालों की सफाई न कराने और जल निकासी की उचित व्यवस्था न होने के कारण यह समस्या उत्पन्न हुई है। कई बार शिकायत करने के बावजूद कोई सुनाई नहीं हुई।आखिर में आवासों में रहने वाली महिलाओं और लोगों ने सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल कर जिलाधिकारी से न्याय की गुहार लगाई है। वीडियो में महिलाएं जघों में भरे पानी को दिखाते हुए अपनी पीड़ा बता रही हैं।वीडियो वायरल होने के बाद भी अभी तक प्रशासन हरकत नहीं आया है। लोगों ने जिलाधिकारी ज्ञानेंद्र सिंह से जल्द जल निकासी की व्यवस्था कराने की मांग की है।

ग्राम समाज की भूमि पर अवैध कब्जे का प्रयास चार आरोपी हिरासत में मुकदमा दर्ज

पीलीभीत कैनविज टाइम्स संवाददाता। थाना बरखेड़ा क्षेत्र के ग्राम विक्रमपुर में उत्तर-पूर्व दिशा में आबादी से बाहर स्थित ग्राम समाज की भूमि पर कुछ व्यक्तियों द्वारा अनधिकृत रूप से निर्माण हेतु नींव डालने का कार्य किया जा रहा है।सूचना पर थाना बरखेड़ा पुलिस द्वारा तत्काल मौके पर पहुंचकर मौके पर अवगत कराया गया। राजस्व टीम द्वारा जांच करने पर उक्त भूमि ग्राम समाज की पाई गई। उक्त भूमि पर किया जा रहा निर्माण कार्य तत्काल रुकवा दिया गया।प्रकरण में स्थानीय लेखपाल द्वारा दी गई तहरीर के आधार पर 4 अभियुक्तों के विरुद्ध अभियोग पंजीकृत किया गया है।पुलिस द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए 1. मो0 फारूख पुत्र याकूब 2. सीहरत मदार पुत्र शाबीर, 3. शाकिर पुत्र छदन्न व 4. इकबाल पुत्र इशरार को हिरासत में लेकर नियमानुसार आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

व्यापारी नेताओं ने किया भंडारा

पूरनपुर कैनविज टाइम्स संवाददाता। नगर में भगवान श्रीकृष्ण की छठी का पर्व श्रद्धा और धूमधाम के साथ मनाया गया इस अवसर पर नगर में कई स्थानों पर कढ़ी-चावल के भंडारे आयोजित किए गए श्रद्धालुओं ने विधि-विधान से भगवान श्रीकृष्ण को कढ़ी-चावल का भोग लगाकर प्रसाद का वितरण किया।स्टेशन रोड स्थित चोटी वाला होटल, ठाकुरद्वारा मंदिर, राघव माधव मंदिर समेत नगर के कई स्थानों पर भंडारे का आयोजन हुआ।भंडारे में नगर के अलावा आसपास के गांवों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे लोगों ने कतार में लगकर प्रसाद ग्रहण किया।भंडारे के दौरान पूरे क्षेत्र में भगवान श्रीकृष्ण के जयकारे गूंजते रहे।इससे नगर का माहौल भक्तिमय बना रहा श्रद्धालुओं ने भगवान श्रीकृष्ण से सुख-समृद्धि और परिवार की खुशहाली की कामना की।भंडारा कराने वालों में सचिन गुप्ता चोटी वाला, विजय पाल सिंह विक्की, हंसराज गुलाटी, संजय गुप्ता, दीपक अग्रवाल, राजेंद्र खंडेलवाल, संजू, सचिन गुप्ता समेत कई श्रद्धालु शामिल रहे।आयोजकों ने कहा कि धार्मिक पर्वों के माध्यम से लोगों को सेवा और भक्ति से जुड़ने का अवसर मिलता है।

पुलिस ने मारपीट के मामले में वांछित सात लोगों को किया गिरफ्तार

अमेठी कैनविज टाइम्स संवाददाता। थाना शिवरतनगंज पुलिस ने गांव बहादुरगंज मजरे खारा में बीते दिनों दो पक्षों में हुई मारपीट के मामले में वांछित सात लोगों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। पुलिस ने पकड़े गये युवकों की निशानदेही पर चार डण्डे,एक बांस की लाठी व एक लकड़ी का बट बरामद किया है।पुलिस अधीक्षक सरवणन टी. के निर्देश पर स्थानीय पुलिस द्वारा क्षेत्र में अपराध एवं अपराधियों के धर पकड़ हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में क्षेत्राधिकारी दिनेश कुमार मिश्र के कुशल नेतृत्व में थाना शिवरतनगंज के उप निरीक्षक कुंवर सिंह मय हमराह द्वारा मारपीट के मामले में वांछित रामअधार पुत्र पवई,धर्मराज पुत्र रामकिशोर,राम अभिलाख पुत्र पवई एवं पवई पुत्र स्व. गजोधर निवासीगण बहादुरगंज खारा थाना शिवरतनगंज जनपद अमेठी गिरफ्तार किया गया। उप निरीक्षक कुंवर सिंह ने बताया कि पुलिस टीम द्वारा पकड़े गये युवकों की निशानदेही पर बांस के डण्डे, बांस की लाठी,लकड़ी का बट व एक अमरूद का डण्डा बरामद किया गया। उन्होंने बताया कि बरामदगी व गिरफ्तारी के संबंध में थाना शिवरतनगंज पुलिस द्वारा अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है।

काशी क्षेत्र के नवनियुक्त उपाध्यक्ष सुनील पटेल का भव्य स्वागत

अमेठी कैनविज टाइम्स संवाददाता। भारतीय जनता पार्टी काशी क्षेत्र के नवनियुक्त क्षेत्रीय उपाध्यक्ष सुनील पटेल के सम्मान में क्षेत्र के वरिष्ठ भाजपा नेता काशी प्रसाद तिवारी के आवास पर स्वागत समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में भाजपा पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने उनका मार्गदर्शन कर स्वागत किया। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष सुधांशु शुक्ला, किसान मोर्चा प्रतापगढ़ के जिलाध्यक्ष विजय मिश्रा, जगन्नाथ पांडेय, मंडल अध्यक्ष राजेश शुक्ला, पूर्व मंडल अध्यक्ष चंद्रकेश यादव, अनुपम मिश्रा सहित अमेठी जिले के अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं शुभचिंतक उपस्थित रहे। वक्ताओं ने कहा कि सुनील पटेल के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष बनने से संगठन को नई ऊर्जा मिलेगी और पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने में मजबूती मिलेगी। कार्यक्रम में संगठन की एकजुटता, कार्यकर्ताओं के उत्साह और मजबूत संगठनात्मक भावना का परिचय देखने को मिला। अंत में उपस्थित पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने सुनील पटेल को नई जिम्मेदारी मिलने पर बधाई देते हुए उनके सफल एवं उज्ज्वल कार्यकाल की कामना की।

ईडब्ल्यूएस अभ्यर्थी की दुविधा

विगत कुछ वर्षों में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले युवाओं की संख्या तेजी से बढ़ी है। जब भी किसी बड़ी भर्ती का विज्ञापन आता है, तो एक बुनियादी सवाल लगातार चर्चा के केंद्र में रहता है—'भाई, इंडब्ल्यूएस से फॉर्म भरे या अनारक्षित से? यह सवाल जितना सहज प्रतीत होता है, वास्तव में उतना ही गंभीर है। यह केवल आवेदन-पत्र के किसी एक विकल्प को चुनने का मामला नहीं है, बल्कि एक युवा के भविष्य, उसकी वर्षों की तपस्या और संवैधानिक व्यवस्था पर उसके भरोसे से जुड़ा प्रश्न है। अभ्यर्थी यह जानना चाहता है कि यदि वह अनारक्षित श्रेणी के कटऑफ से अधिक अंक अर्जित करता है, तो क्या व्यवस्था उसकी योग्यता का सम्मान करते हुए उसे खुली प्रतियोगिता का हक देगी? उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) की सम्मिलित राज्य/प्रवर अधीनस्थ सेवा (पीसीएस) प्रारंभिक परीक्षा के आधिकारिक आंकड़ों इस दुविधा को किसी काल्पनिक आंशक के बजाय एक कड़वी जमीनी सच्चाई साबित करते हैं। वर्ष 2020 से 2023 तक के आंकड़ों पर दृष्टि डालें तो यह विस्तारित निरंतर गहरी होती दिखाई देती है। वर्ष 2020 में अनारक्षित वर्ग का कटऑफ 110 अंक था, वहीं इंडब्ल्यूएस का कटऑफ 112 अंक रहा। वर्ष 2021 में अनारक्षित के 115 अंकों के मुकाबले इंडब्ल्यूएस का कटऑफ 117 अंक, और 2022 में अनारक्षित के 111 अंकों की तुलना में इंडब्ल्यूएस का कटऑफ 114 अंक दर्ज किया गया। वर्ष 2023 में तो यह अंतर चार अंकों तक पहुंच गया, जहाँ अनारक्षित का कटऑफ 125 अंक था, जबकि इंडब्ल्यूएस के लिए यह 129 अंक तक चला गया। इन आंकड़ों का सीधा और त्रासद अर्थ यह है कि वर्ष 2023 में 126, 127 या 128 अंक हासिल करने वाला इंडब्ल्यूएस अभ्यर्थी प्रारंभिक चरण में ही प्रतियोगिता से बाहर हो गया, जबकि उससे कम यांनी 125 अंक पाने वाला अनारक्षित अभ्यर्थी मुख्य परीक्षा लिखने का पात्र बन गया। यहाँ 'अनारक्षित' और 'अरक्षित' की बुनियादी संवैधानिक अवधारणा को समझना आवश्यक है। आरक्षण का उद्देश्य अवसरों से वंचित वर्गों को आगे बढ़ने का मंच देना है, न कि किसी मेधावी की योग्यता की अधिकतम सीमा तय करना। अनारक्षित श्रेणी को अलग सामाजिक वर्ग या जाति नहीं है, बल्कि यह एक खुली प्रतियोगिता है जहाँ मेरिट में आने वाला कोई भी योग्य अभ्यर्थी स्थान पाने का हकदार है। इस विधिक सिद्धांत को न्यायिक व्यवस्था ने समय-समय पर स्पष्ट और सुदृढ़ किया है। रजत यादव बनाम राजस्थान राज्य (उच्च न्यायालय) मामले में शीर्ष अदालत ने यह सिद्धांत दोहराया कि यदि किसी आरक्षित वर्ग का अभ्यर्थी, जिसने कोई विशेष रियायत नहीं ली है, सामान्य वर्ग के कटऑफ से अधिक अंक प्राप्त करता है, तो उसे स्थान के मध्यवर्ती पर प्रारंभिक चरणों में भी खुली श्रेणी की मेरिट सूची में स्थान मिलना चाहिए। उसे केवल उसकी श्रेणी के नाम पर खुली प्रतिस्पर्धा से अलग-थलग नहीं किया जा सकता। इसी प्रकार, एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया बनाम सार कृष्णा बी में भी उच्चतम न्यायालय ने यह स्पष्ट किया कि आरक्षण रोस्टर और नियमों का ममाना क्रियाचक्रन मेधा को नकारने का माध्यम नहीं बन सकता; मेरिट में ऊपर रहने वाला आरक्षित वर्ग का अभ्यर्थी अनारक्षित श्रेणी में समायोजित होने का पूर्ण संवैधानिक अधिकार रखता है। यह विसंगति पीसीएस जैसी बड़े-चरणीय परीक्षाओं के प्रारंभिक स्तर पर सबसे घातक साबित होती है। यद्यपि प्रारंभिक परीक्षा के अंक अंतिम चयन सूची में नहीं जुड़ते, किन्तु यह आख्य परीक्षा तक पहुँचने का निर्णायक प्रवेश-द्वार है। यदि किसी अभ्यर्थी ने मुख्य सीमा या शुल्क जैसी कोई रियायत नहीं ली है और उसके अंक खुली श्रेणी के कटऑफ से अधिक हैं, तो उसे प्रारंभिक स्तर पर ही खुली प्रतियोगिता से बाहर कर देना संविधान के अनुच्छेद 14 और 16 में निहित नैसर्गिक न्याय और समान अवसर के सिद्धांत के विपरीत है। अंतिम चरण में समायोजन का प्रावधान ऐसे मेधावी अभ्यर्थियों के लिए व्यर्थ सिद्ध होता है, क्योंकि वे मुख्य परीक्षा की दौड़ से ही बाहर कर दिए जाते हैं।

हर निराश मन को चाहिए एक भरोसेमंद कंधा

(विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस / 10 सितंबर/ विशेष)

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के सहयोग से प्रतिवर्ष 10 सितंबर को दुनियाभर में आत्महत्या की प्रवृत्ति पर रोक लगाने के उद्देश्य से 'विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस' मनाया जाता है। इस दिवस की शुरुआत 'इंटरनेशनल एसोसिएशन फॉर सुसाइड प्रिवेंशन' (आईएएसपी) द्वारा 2003 में की गई थी। इन दिन एक पीले रंग के रिबन को प्रतीक के रूप में पहना जाता है, जो इस बात को फैलाने में मदद करने के लिए पहना जाता है कि आत्महत्या की रोकथाम के बारे में बोलने से लोगों की जान बचाई जा सकती है। इस दिवस को मनाने का प्रमुख उद्देश्य आत्महत्या करने वाले व्यक्ति के व्यवहार पर शोध करना, जागरूकता फैलाना और डेटा एकत्रित करना है। दरअसल डब्ल्यूएचओ के मुताबिक दुनिया में हर 40 सेकंड में एक व्यक्ति आत्महत्या करता है यानी प्रतिवर्ष दुनियाभर में करीब आठ लाख लोग आत्महत्या के जरिये अपनी जीवनीलीला खत्म कर डालते हैं, जिनमें से बड़ी संख्या में आत्महत्या के मामले 15 से 29 वर्ष के लोगों में होते हैं जबकि आत्महत्या का प्रयास करने वालों का आंकड़ा इससे बहुत ज्यादा है।

आत्महत्या रोकथाम दिवस 2026 की थीम है 'आत्महत्या पर दृष्टिकोण बदलना'। इस थीम का उद्देश्य आत्महत्याओं को रोकने के लिए कलंक को कम करने और खुली बातचीत को प्रोत्साहित करने के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाना है। लोगों में

ધર્મ મંત્ર

अनंत चतुर्दशी पर हाथ पर बांधे 14 गांठ वाला रक्षासूत्र, हर परेशानी रहेगी दूर

हिंदू धर्म में अनंत चतुर्दशी तिथि का काफी अधिक महत्व है। आज के दिन भगवान विष्णु की विधिवत से पूजा अर्चना करने का विधान है। हिंदू पंचांग के अनुसार, भाद्रपद के शुक्ल पक्ष की चतुर्दशी तिथि को अनंत चतुर्दशी का पर्व मनाया जाता है। इस दिन से गणेश उत्सव का भी समापन हो जाता है। अनंत चतुर्दशी को अनंत चौदस नाम से भी जानते हैं। इस दिन भगवान विष्णु की पूजा करने के साथ व्रत रखने से दुःख-दरिद्रता से छुटकारा मिल जाता है। इसके साथ ही पूजा पाठ के बाद 14 गांठ वाला रक्षा सूत्र बांधने का भी विधान है। रेशम की डोर से बनी ये 14 गांठ व्यक्ति को हर भय से मुक्ति दिलाती है। इसके साथ ही उसकी रक्षा करती है। जो भी व्यक्ति विधिवत पूजा करने के बाद इस चौदह गांठ को बांधता है उसके ऊपर हमेशा भगवान विष्णु की कृपा रहती है। बता दें कि यह 14 गांठ 14 लोकों से संबंधित है। 14 लोग इस प्रकार हैं—भूलोक, भुवलोक, स्वर्लोक, महर्लोक, जनलोक, तपोलोक, ब्रह्मभूमि, अतल, वितल, सुतल, रसातल, तलातल, महातल और पाताल लोक। अग्नि पुराण के अनुसार, अनंत चतुर्दशी के दिन भगवान विष्णु की विधिवत पूजा करें। इसके साथ ही एक रेशम के धागे को लेकर हल्दी और केसर से रंग लें। इसके बाद इसमें एक-एक करके 14 गांठ लगा दें। फिर भगवान विष्णु को अर्पित करते हुए इस मंत्र को बोले— ऊँ अन्तात्य नमः। इसके बाद भगवान से कामना करें कि इस धागे में अपनी शक्ति प्रदान करें। पूजा समाप्त होने के बाद इस सूत्र को महिलाएं बाएं हाथ में और पुरुष दाएं हाथ में बांध लें।

सोच विचार

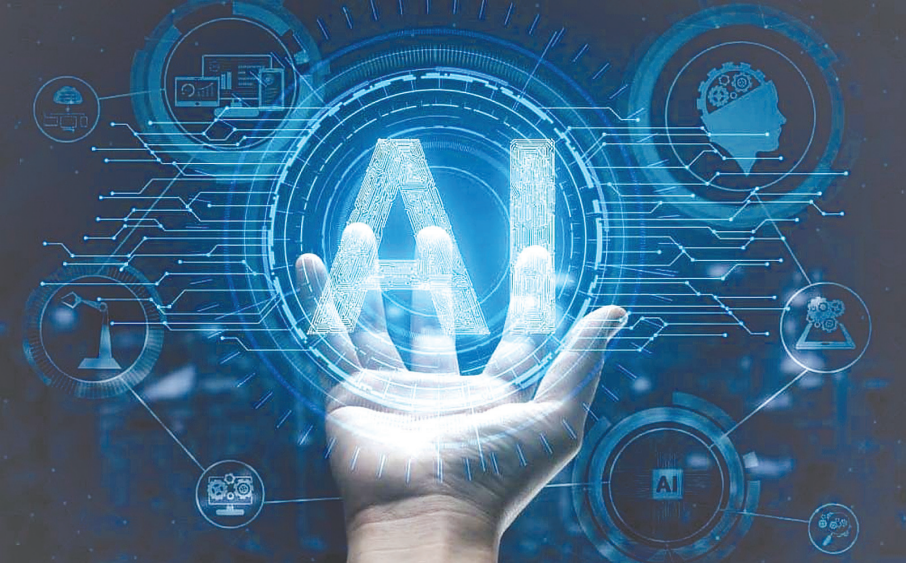
एआई की असली चुनौती और रोजगार

यह हैरानी की बात है कि आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (एआई) के दीर्घकालिक प्रभावों को लेकर हमारी जिंदगी अभी से चिंताओं से भरी हुई क्यों नहीं है। एआई ऐसी तकनीक है जिसका प्रभाव पहले सामने आए किसी भी तकनीक से अलग हो सकता है। इसके बावजूद, इसके संभावित असर को लेकर समाज में एक तरह की बेफिक्री दिखाई देती है। इस अंतर की एक वजह अब कुछ हद तक समझ में आने लगी है। रोजगार और कामगारों पर एआई का असर उन तकनीकों से अलग पड़ सकता है जिन्होंने पहले दुनिया को बरसाया है। भाप के इंजन से लेकर बिजली और सूचना प्रौद्योगिकी तक पिछली सभी तकनीकें क्रांतियों ने आखिरकार मध्यम स्तर के कौशल वाले दफ्तर के काम से जुड़े प्रोजेक्ट्स के लिए मानव पूंजी का महत्व बढ़ाया। यानी उनकी विशेषज्ञता और ज्ञान की मांग बढ़ी और उनके लिए नए अवसर पैदा हुए। लेकिन एआई की स्थिति अलग दिखाई देती है। यह उन लोगों को ही बड़ी संख्या में रोजगार से बाहर करने का खतरा पैदा कर रही है जो आज मध्यम स्तर के कौशल वाले दफ्तरों में काम करने वाले कामगार हैं। अगर ऐसा बड़े पैमाने पर हुआ, तो इसका असर केवल रोजगार तक सीमित नहीं रहेगा। इससे समाज की मौजूदवा समाजिक और आर्थिक संरचना भी पूरी तरह बदल सकती है।

कुछ साल पहले तक आमतौर पर यह चिंता जताई जाता था कि रखाउत्कृष्ट के बढ़ते इस्तेमाल ने कारखानों में काम करने वाले कुशल मजदूरों का भविष्य खतरे में पड़ जाएगा। निरक्षर रूप से आज उपयुक्त की समान मात्रा के लिए पहले तो तुलना में कम श्रमिकों की जरूरत पड़ती है। लेकिन अगर दुनिया भर में चीन को भी शामिल करके देखा जाए तो यह कहना मुश्किल है कि कारखानों में काम करने वाले लोगों की कुल संख्या वास्तव में घट गई है। संयुक्त राष्ट्र औद्योगिक विकास संगठन (यूनिटो) के आंकड़ों के मुताबिक, दुनिया में विनिर्माण क्षेत्र में रोजगार 2015 में 44.8 करोड़ से बढ़कर 2022 में 47.7 करोड़ लोगों तक पहुंच गया। इतना ही नहीं, कुछ क्षेत्रों में तो कुशल कारखाना श्रमिकों, पर्यवेक्षकों और फोरमैन की भारी कमी दिखाई दे रही है। सेमीकंडक्टर, धातु उद्योग और दवा निर्माण जैसे विशेष क्षेत्रों में ऐसे कुशल कर्मचारियों की मांग बहुत अधिक है। दक्षिण कोरिया की कंपनी एसके हाइनेक्स द्वारा अपने कर्मचारियों को 5 लाख डॉलर से अधिक का बोनस दिए जाने की खबर भी इस स्थिति की ओर इशारा करती है। इससे पता चलता है कि कुछ अत्यधिक कुशल औद्योगिक कामगारों की विशेषज्ञता आज भी कितनी मूल्यवान है। इसी वजह से फिलहाल तस्वीर कुछ उलटी दिखाई देती है। तकनीक के कारण ही दफ्तरों में काम करने वाले कर्मचारी, शारीरिक श्रम करने वाले अपने कामगार सहकर्मियों की तुलना में अधिक खतरे में नजर आ रहे हैं। तकनीकी बदलाव का यह असर असामान्य है। अर्धशास्त्रियों का अब तक का अध्ययन बताता है कि तकनीकी प्रगति आमतौर पर कुशल कामगारों के पक्ष में रही है।

एआई की संभावित प्रभाव एक और प्रभावशाली वाग, रचनात्मक क्षेत्र से जुड़े लोगों के लिए भी अभूतपूर्व हो सकता है हालांकि इनकी संख्या कम है। इससे पहले की तकनीकी क्रियायों ने रचनात्मक लोगों के दायरे को बढ़ाया था। प्रिंटिंग प्रेस ने लेखकों के लिए लेखन से जीविका कमाने का रास्ता खोला। बिजली और जनसंचार माध्यमों ने उन्हें राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर लोगों की सोच और विचारों को प्रभावित करने की अभूतपूर्व क्षमता दी। इसके बाद संसार क्रांति ने ऐसी दुनिया बनाई जिसमें दुनिया के किसी भी कोने से कोई व्यक्ति अपनी पहचान बना सकता था और एक प्रभावशाली 'इन्फ्लुएंसर' बन सकता था। तब क्या होगा जब एआई इन रचनात्मक लोगों से बेहतर संगीत तैयार करने लगेगा या उनसे बेहतर लघु फिल्में बनाने लगेगा? जिन लोगों में अपना कोई खास सौंदर्य बोध या रचनात्मक समझ नहीं है उनके लिए एआई जैसे तैयार सामग्री पहली ही बात नरेंज है कि जानकारी का एक नया साधन रही है और परंपरिक की वजाय है कि फेकबुक पर हमारे ऐसे दोस्तों की संख्या कम नहीं है।

एआई का संभावित प्रभाव एक ओर प्रभावशाली वर्ग, रचनात्मक क्षेत्र से जुड़े लोगों के लिए भी अभूतपूर्व हो सकता है हालांकि इनकी संख्या कम है। इससे पहले की तकनीकी क्रांतियों ने रचनात्मक लोगों के दायरे को बढ़ाया था। प्रिंटिंग प्रेस ने लेखकों के लिए लेखन से जीविका कमाने का रास्ता खोला। बिजली और जनसंचार माध्यमों ने उन्हे राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर लोगों की सोच और विचारों को प्रभावित करने की अभूतपूर्व क्षमता दी। इसके बाद संचार क्रांति ने ऐसी दुनिया बनाई जिसमें दुनिया के किसी भी कोने से कोई व्यक्ति अपनी पहचान बना सकता था और एक प्रभावशाली 'इन्फ्लूएंसर' बन सकता था। तब क्या होगा जब एआई इन रचनात्मक लोगों से बेहतर संगीत तैयार करने लगेगा या उनसे बेहतर लघु फिल्में बनाने लगेगा? जिन लोगों में अपना कोई खास सौंदर्य बोध या रचनात्मक समझ नहीं है उनके लिए एआई से तैयार फ़ैसमग्री पहले ही मनोरंजन और जानकारी का एक नया साधन बन रही है और परेशानी की बात यह है कि फ़ेसबुक पर हमारे ऐसे दोस्तों की संख्या कम नहीं है।



उन्के लिए वह धीरे-धीरे उन पुराने संदेशों, बार-बार भेजे जाने वाले मजाकिया पोस्ट और दोहराए जा चुके मीस के जगह ले रही है जो अब तक उनसे मनोरंजन का जरिया थे। जल्द ही एआई रचनात्मक उपलब्धियों की सीढ़ी पर और ऊपर चढ़ने लगेंगे। सुफिल्टर और दूसरे म्यूजिक स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म पर अब यह पहचानाया मॉडल होता जा रहा है कि कौन सी संगीत एआई ने बनाया है या संगीत उद्योग में तैयार किया गया सामान्य, जरूरत से ज्यादा सजाया-संवार हुआ संगीत है। एआई से बनी फिल्में अभी पूरी तरह सामने आने में कुछ समय लेंगी। हालांकि इतना मस्क ने वादा किया है कि इस साल के अंत तक, पूरी तरह एआई से बनी ओडिसी पर आधारित फिल्म ट्रेलर आएंगी। हालांकि आज भी यूट्यूब पर एआई से बनाए गए टेरेन फिल्मी ट्रेलर देखे जा सकते हैं। इनमें से लगभग सभी बेहद खराब और देखने लायक नहीं हैं। लेकिन कुछ ट्रेलर सचमुच अच्छी गुणवत्ता वाले भी हैं। इनमें कुछ शानदार पैरोडी भी शामिल हैं। एक ऐसा ही एआई का इस्तेमाल करने वाला रचनाकार लोकप्रिय फिल्मों, जैसे हैरी पॉटर और लॉर्ड ऑफ द रिंग्स के ट्रेलर को बड़ी कुशलता से नए रूप में तैयार करता है। वह कभी उन्हें उत्तर कोरिया के भ्रामक प्रचार वाली फिल्मों की शैली में बनाता है तो कभी बालेंसियागा के विज्ञापनों जैसा रूप देता है। उसके बनाए वीडियो को करोड़ों लोग देख चुके हैं। यह संभावना अब काफी वास्तविक है कि एआई पूरे रचनात्मक उद्योग को प्रभावित करे और बड़े पैमाने पर रोजगार की दिक्कत हो जाए। इसके नतीजों



पर गंभीरता से विचार करना जरूरी है। एक तरफ इसका मतलब यह होगा कि भविष्य के एआई को न सिर्फ सामग्री बनाने के लिए पुरानी सामग्रियों का ही बार-बार इस्तेमाल करना पड़ेगा। इसमें आज एआई द्वारा बनाया जा रही घंटियां सामग्री भी शामिल होंगी जिसे हजारों लोग देख रहे हैं। हमारे लिए डरने वाली बात यह होगी चाहिए कि इससे सामग्री की गुणवत्ता लगातार नीचे गिरती जाएगी या न बेहतर से बेहतर बनाने की दौड़ बजाय हम खराब से खराब सामग्रियों की ओर बढ़ सकते हैं। लेकिन ऐसा और सामग्री भी है। उस तकनीकी क्रांति की कहानी का क्या होगा जो पूरे रचनात्मक वर्ग को ही अपने संसार दूर कर देगी? आखिर समाज को क्या हाराना पड़ेगा जो काम तो यही लोग करते हैं। यह हारान करने वाली बात है कि एआई को लेकर आज हमारे चारों ओर गहरा चिंता का माहौल क्यों नहीं है। एआई को लेकर अस्तित्व से जुड़े डर हमारे संगीत, किताबों और टीवी कार्यक्रमों में अभी से क्यों दिखाई नहीं देते? जिस तकनीक को लेकर इतनी बड़ी आशंकाएं जताई जा रही हैं, उसका डर हमारे संस्कृति में अभी तक साफ दिखाई क्यों नहीं देता? एआई को लेकर आनेवालों को कहीं ज्यादा चिंतित होना चाहिए और इसका एक महत्वपूर्ण कारण यह है कि एआई को बनाने और उससे लाभ कमाने वाले लोग यानी इससे मालिक और निर्माता, खुद एआई को लेकर सबसे ज्यादा चिंतित हैं। एआई के नियमन को लेकर उनकी राय अलग-अलग हो सकती है लेकिन लगभग सभी ने इस बात पर चिंता जताई है कि एआई, खासकर ऐसा एआई जो खुद से नया एआई बना सके और अपनी ही तरह का नया तंत्र तैयार कर सके वास्तव मानव सभ्यता के साथ पता नहीं क्या कर सकता है। तकनीक के इतिहास में ऐसा पहले नहीं हुआ। जेम्स वॉट ने भाप के इंजन को, एडिसन ने बिजली और बिल गेट्स ने पर्सनल कंप्यूटर को अस्तित्व के संकट के सवाल के सामने इसे दुनिया के सामने पेश नहीं किया था। जो लोग एआई को सबसे अच्छी तरह समझते हैं वे ही उससे सबसे ज्यादा डरते हैं। लेकिन बाकी दुनिया अब भी उससे उतनी नहीं डर रही है।

मिहिर एस शर्मा

सेहत मंत्र

हफ्ते में तीन बार मशरूम खाने से पुरुषों में प्रोस्टेट कैंसर का खतरा होगा कम: रिसर्च

वैसे तो, मशरूम के स्वास्थ्य के लिए दोनों फायदे हैं, मशरूम कई विटामिनस और मिनरल्स से भरपूर है। इसमें सेलेनियम, कोबाल्ट, मैंगनीज, कॉपर, आयरन के साथ कई पोषक तत्व मौजूद हैं। इसमें मौजूद सेलेनियम इथ्युन सिस्टम के होनहार रिसपान्स में मदद करता है। कई अध्ययनों में यह भी पाया गया है कि मशरूम पुरुषों में प्रोस्टेट कैंसर के खतरे को कम कर सकता है। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ कैंसर में प्रकाशित अध्ययन के मुताबिक, मशरूम के सेवन और प्रोस्टेट कैंसर के बीच एक गहरा संबंध है। जिसमें कि शोधकर्ताओं ने गव किया है कि मशरूम के सेवन से पुरुषों में प्रोस्टेट कैंसर के बढ़ते खतरे को कम किया जा सकता है। अध्ययन से पता चलता है कि मध्यम आयु वर्ग के और बुजुर्ग आयुवर्ग के पुरुषों द्वारा मशरूम का सेवन प्रोस्टेट कैंसर के विकास की संभावनाओं को कम कर सकता है। मशरूम के सेवन और प्रोस्टेट कैंसर के बीच के संबंध पर निष्कर्ष करीब 3 साल तक किये गये अध्ययन के आधार पर

निकाला गया। जिसमें कि कुल 36,499 पुरुष, जिनकी उम्र 40 से 79 वर्ष थी, उन्हें शामिल किया गया। अध्ययन के दौरान 3.3 प्रतिशत प्रतिभागियों में प्रोस्टेट कैंसर पाया गया। जिनमें कि हफ्ते में 2 बार मशरूम का सेवन करने वालों में इस बीमारी के खतरे में 8 प्रतिशत कमी से पाई गई। जबकि हफ्ते में 3 या ज्यादा बार मशरूम खाने वालों में प्रोस्टेट कैंसर का खतरा 17 प्रतिशत तक कम पाया गया। जापान की 'तोहोकू यूनिवर्सिटी' के शोधकर्ता और अध्ययन के प्रमुख लेखक शू झांग के अनुसार, हालांकि इस अध्ययन में मशरूम की प्रजातियों के बारे में कोई विशेष जानकारी एकत्र नहीं की गई थी, इसलिए यह जानना मुश्किल है कि इसमें किस विशिष्ट मशरूम का योगदान था। इसके अलावा, प्रोस्टेट कैंसर पर मशरूम के कई लाभकारी प्रभाव हैं। मशरूम विटामिन डी का एक अच्छा स्रोत है, इसके भरपूर फायदे लेने के लिए आप मशरूम को उबाल कर या डीप फ्राई करके खा सकते हैं। यह आपके दांतों और हड्डियों को मजबूत बनाए रखने में मदद करेगा।

निकाला गया। जिसमें कि कुल 36,499 पुरुष, जिनकी उम्र 40 से 79 वर्ष थी, उन्हें शामिल किया गया। अध्ययन के दौरान 3.3 प्रतिशत प्रतिभागियों में प्रोस्टेट कैंसर पाया गया। जिनमें कि हफ्ते में 2 बार मशरूम का सेवन करने वालों में इस बीमारी के खतरे में 8 प्रतिशत कमी से पाई गई। जबकि हफ्ते में 3 या ज्यादा बार मशरूम खाने वालों में प्रोस्टेट कैंसर का खतरा 17 प्रतिशत तक कम पाया गया। जापान की 'तोहोकु यूनिवर्सिटी' के शोधकर्ता और अध्ययन के प्रमुख लेखक शू झांग के अनुसार, हालांकि इस अध्ययन में मशरूम की प्रजातियों के बारे में कोई विशेष जानकारी एकत्र नहीं की गई थी, इसलिए यह जानना मुश्किल है कि इसमें किस विशिष्ट मशरूम का योगदान था। इसके अलावा, प्रोस्टेट कैंसर पर मशरूम के कई लाभकारी प्रभाव हैं। मशरूम विटामिन डी का एक अच्छा स्रोत है, इसके भरपूर फायदे लेने के लिए आप मशरूम को उबाल कर या डीज फ्राई करके खा सकते हैं। यह आपकी दांतों और हड्डियों को मजबूत बनाए रखने में मदद करेगा।

पर्यटन



असम के सबसे खूबसूरत शहरों में से एक है गोवालपारा, पर्यटकों के बीच है बहुत लोकप्रिय

गोवालपारा, गुवाहाटी से 140 किलोमीटर पश्चिम में स्थित एक शहर है और असम में घूमने के सबसे लोकप्रिय जगहों में से है। 'ग्वालिप्टिका' शब्द, जो मोटे तौर पर ग्वाली गाँव या दूधियों के गाँव का अनुवाद है, 'गोलपारा' नाम का मूल है। गोवालपारा के आस-पास के क्षेत्र आम तौर पर ब्रम्हपुत्र नदी के किनारे बड़े होरे पैदान हैं। गोवालपारा में बहुत से प्राचीन इमारतें और मंदिर हैं, जो दूर-दूर से आने वाले पर्यटकों को आकर्षित करते हैं। सूर्य पहाड़-गोवालपारा से लगभग 12 किमी दक्षिण पूर्व में स्थित, सूर्य पहाड़, असम में प्राचीन अवशेषों के सबसे महत्वपूर्ण विरासत स्थलों में से एक है। सूर्य पहाड़ लगभग एक किलोमीटर तक फैले शिवलिंगों का खिंचाव है। कहा जाता है कि लिंग बड़ी चट्टानों द्वारा निर्मित है। ऐसा माना जाता है कि 99999 लिंग हैं, जो वेद व्यास द्वारा उत्कीर्ण हैं, जो इसे दूसरी क्रांति बनाते हैं। सूर्य पहाड़ बिना किसी जाति, पंथ और लिंग के भेदभाव के, सभी धर्मों के लिए खुला है। यह अपने असंख्य शास्त्रों और हिंदू धर्म, जैन धर्म और बौद्ध धर्म की प्राचीन वस्तुओं के साथ तीन धर्मों को एक साथ मिलाता है।

मानस नेशनल पार्क- मानस नेशनल पार्क असम में एक प्रोजेक्ट टाइगर रिजर्व है एक बायोस्फीयर और एक हाथी रिजर्व है जो लुप्तप्राय गोल्डन लंगूर और लाल पांडों के आवास के लिए प्रसिद्ध है। यह देश में सर्वश्रेष्ठ राष्ट्रीय उद्यान में से एक है और एक यूनेस्को प्राकृतिक विश्व धरोहर स्थल भी है। इस राष्ट्रीय उद्यान को न केवल इसकी प्रचुर जैव विविधता, बल्कि इसकी मनोरम दृश्यों और प्राकृतिक पृष्ठभूमि के लिए जाना जाता है। आप यहां बाघों, गैंडों, जंगली पानी के भैंसों को आसानी से देख सकते हैं, साथ ही हाथी की सवारी का आनंद भी ले सकते हैं। मानस नेशनल पार्क की यात्रा का सबसे अच्छा समय अक्टूबर के शुरुआती हफ्तों और फिर मध्य मार्च के बाद का समय है।

के भेदभाव के, सभी धर्मों के लिए खुल है। यह अपने असंख्य शास्त्रों और हिंदू धर्म, जैन धर्म और बौद्ध धर्म की प्राचीन वस्तुओं के साथ तीन धर्मों को एक साथ मिलाता है।

मानस नेशनल पार्क- मानस नेशनल पार्क असम में एक प्रोजेक्ट टाइगर रिजर्व एक बायोस्फीयर और एक हाथी रिजर्व है जो लुप्तप्राय गोल्डन लंगूर और लाल पांड के आवस के लिए प्रसिद्ध है। यह देश में सर्वश्रेष्ठ राष्ट्रीय उद्यान में से एक है और एक यूनेस्को प्राकृतिक विश्व धरोहर स्थल भी है। इस राष्ट्रीय उद्यान को न केवल इसकी प्रचुर जैव विविधता, बल्कि इसकी मनोरम दृश्यों और प्राकृतिक पृष्ठभूमि के लिए जाना जाता है। अपा यहाँ बाघों, गैंडों जंगली पानी के भैंसों को आसानी से देख सकते हैं, साथ ही हाथी की सवारी का आनंद भी ले सकते हैं। मानस नेशनल पार्क की यात्रा का सबसे अच्छा समय अक्टूबर के शुरुआती हफ्तों और फिर मध्य मार्च के बाद का समय है।

छट्टी पर्व,निकली राधा-कृष्ण की पालकी शोभायात्रा, उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब

कैनविज टाइम्स संवाददाता

जैदपुर, बाराबंकी। भगवान श्रीकृष्ण के जन्म के छठवें दिन मनाए जाने वाले छट्टी पर्व पर कस्बा जैदपुर में बुधवार को श्री राधा-कृष्ण की भव्य पालकी शोभायात्रा निकाली गई। श्री शिव शंकर धर्माथी सेवा समिति के संरक्षक शैलेंद्र कुमार जायसवाल के नेतृत्व में निकली शोभायात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया।

कस्बे के विभिन्न मोहल्लों से श्रीकृष्ण डोल और झांकियां शिव मंदिर पर एकत्र हुईं। विधि-विधान से पूजा-अर्चना के बाद शोभायात्रा गढ़ी कदीम, बांध चौराहा, छोटी बाजार, बड़ी बाजार और सिनेमा हॉल होते हुए मंगाताल पहुंची।

शोभायात्रा में आतिशबाजी, ऊंट-



घोड़े, डीजे, ब्रास बैंड, भांगड़ा, शंख, घंटा-घड़ियाल और अन्य वाद्य यंत्र आकर्षण का केंद्र रहे। श्रद्धालु हाथों

में भगवा ध्वज लेकर ‘हाथी घोड़ा

पालकी, जय कन्हैया लाल की’ के

जयकारे लगाते हुए चल रहे थे।

कन्हैया डोल यात्रा में बच्चों और महिलाओं ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। अबीर-गुलाल उड़ाते हुए श्रद्धालुओं का उत्साह देखते ही बन रहा था। श्री राधा-कृष्ण की मनोरम झांकियां विशेष आकर्षण का केंद्र रहीं। जगह-जगह श्रद्धालुओं ने भगवान की पूजा-अर्चना और आरती कर प्रसाद वितरित किया।

मंगाताल मेला स्थल पहुंचने के बाद श्री राधा-कृष्ण की लीलाओं का कीर्तन और भजन के माध्यम से मंचन किया गया।

शोभायात्रा में शैलेंद्र जायसवाल, चमेली पाठक, रामकिशोर गुप्ता, लक्ष्मी नारायण, कृष्ण गोपाल सोनी, डब्लू जायसवाल, गोडान मिश्रा, राकेश रावत, विवेक मौर्य सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।

करबला और औकाफ से जुड़ी खबरें लिखने पर धमकी का आरोप, पत्रकार संगठनों ने मांगी निष्पक्ष जांच और सुरक्षा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बाराबंकी। निन्दूरा में हाजिरी का खेला, तालाब पर 6, पोर्टल पर 33 - कहा गए 27 श्रमिक वीबी जी रामजी योजना में दिन में विश्राम, रात में हाजिरी! निन्दूरा, बाराबंकी। निन्दूरा ब्लॉक में वीबी जी रामजी योजना मजाक बन गई है। ग्राम पंचायत रेंगावां में तालाब जीर्णोद्धार के नाम पर कागजों में मजदूरों की फौज खड़ी की जा रही है, जबकि जमीन पर सन्नाटा है।

बुधवार सुबह 11:30 बजे का सच-

हमारी टीम जब तालाब पर पहुंची तो नजारा चौंकाने वाला था। तालाब बीच में पानी से लबालब भरा था और किनारे पर महज 6 श्रमिक बैठकर विश्राम करते मिले। कोई काम नहीं, कोई खुदाई नहीं। वहीं ऑनलाइन पोर्टल पर उसी दिन, उसी तालाब के लिए 4 मास्टर रोल में 33 श्रमिकों की हाजिरी दर्ज है।

सीधा हिसाब - 33 - 6 = 27 श्रमिक

www.kanwhizztimes.com



गायब। ये 27 कहाँ काम कर रहे थे? किसने इनकी हाजिरी लगाई?

सबसे बड़ा सवाल ब्लॉक की निगरानी पर - ये खेल एक दिन का नहीं है। सवाल ये है कि- 1. जब ब्लॉक के तकनीकी सहायक, रोजगार सेवक, एपीओ और बोडीओ की जिम्मेदारी है मौके पर जाकर हाजिरी सत्यापित करने की, तो 27 का अंतर उन्हें क्यों नहीं दिखा? 2. बरसात में जब तालाब पानी से भरा है, तो जीर्णोद्धार किस हिस्से का हो रहा है?

3. क्या बिना फोटो सत्यापन और

बिना मौके की जांच के ही हाजिरी पोर्टल पर चढ़ा दी जा रही है?

डीसी मनरेगा बोले - जांच कराएंगे। इस मामले में डीसी मनरेगा ने जांच कर कार्रवाई की बात कही है। अब जरूरत है कि अधिकारी केवल कागज न देखें। पोर्टल, 4 मास्टर रोल और मौके के 6 श्रमिकों का आमना-सामना करारकर जांच हो, और जिम्मेदारों पर कार्रवाई हो। नहीं तो वीबी जी रामजी योजना के तालाब कागजों पर ही गहरे होते रहेंगे।

कचहरी में पत्रकार पर कथित जानलेवा हमला, मुख्यमंत्री से न्याय की गुहार

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बाराबंकी। करबला सिविल लाईंस के सामने की भूमि पर कथित अतिक्रमण और औकाफ से जुड़े मामलों की खबरें लिखने वाले पत्रकार सदाचारी लाला उमेश चंद्र श्रीवास्तव के साथ बुधवार को बाराबंकी दीवानी न्यायालय परिसर में कथित मारपीट, गला दबाकर जान से मारने की कोशिश और बंधक बनाने का मामला सामने आया है। घटना को लेकर मामला तूल पकड़ता जा रहा है। पीड़ित पत्रकार ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से गुहार लगाते और दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई के साथ अपनी सुरक्षा की मांग करने की बात कही है। पत्रकार का आरोप है कि वह 9 सितंबर को राष्ट्रीय लोक



अदालत की तैयारियों और न्यायालयीन कार्यवाही की कवरेज के लिए कचहरी पहुंचे थे। इसी दौरान कुछ लोगों ने उन्हें कथित रूप से घेरकर रोक लिया। आरोप है कि धमकाते हुए उनके साथ मारपीट की गई और गला दबाकर जान से मारने की कोशिश की गई। शिकायत में कुछ समय के लिए बंधक बनाए जाने का भी आरोप लगाया गया है। घटना के बाद डायल-112 और

करबला और औकाफ से जुड़ी खबरें लिखने पर धमकी का आरोप, पत्रकार संगठनों ने मांगी निष्पक्ष जांच और सुरक्षा

पुलिस अधीक्षक बाराबंकी को सूचना दिए जाने की बात पत्रकार की ओर से कही गई है। शिकायतकर्ता के अनुसार पुलिस को सूचना मिलने के बाद उन्हें वहां से छोड़ा गया और कथित हमलावर मौके से चले गए। आदर्श कोतवाली पुलिस द्वारा घटनास्थल का निरीक्षण किए जाने की भी जानकारी सामने आई है। मुख्यमंत्री से लगाएंगे गुहार- घटना से आहत पत्रकार सदाचारी लाला उमेश चंद्र श्रीवास्तव ने कहा है कि वह पूरे मामले को मुख्यमंत्री योगी

आदित्यनाथ के समक्ष रखेंगे। उन्होंने दोषी पाए जाने वाले लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई और अपनी सुरक्षा की मांग करने की बात कही है।

पत्रकार का कहना है कि जनहित से जुड़े मुद्दों को सामने लाना पत्रकारिता का दायित्व है। यदि औकाफ की भूमि से जुड़े किसी विवाद की रिपोर्टिंग के कारण पत्रकार को न्यायालय परिसर में ही कथित रूप से धमकाया और हमला किया जाता है तो यह गंभीर चिंता का विषय है।

पत्रकार संगठनों ने उठाई आवाज- घटना की जानकारी सामने आने के बाद पत्रकार संगठनों और यूनियनों ने भी निष्पक्ष जांच और कार्रवाई की मांग उठाई है। संगठनों का कहना है कि न्यायालय परिसर में पत्रकार की

राष्ट्रीय लोक अदालत के प्रचार को रवाना हुआ प्रचार वाहन, तहसीलों और प्रमुख स्थानों पर पहुंचकर आमजन को करेगा जागरूक

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बाराबंकी। आगामी 12 सितंबर को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए बुधवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से प्रचार वाहन रवाना किया गया। जनपद न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की अध्यक्ष श्रीमती प्रतिमा श्रीवास्तव ने प्रचार वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण उज्ज्वल उपाध्याय ने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत के प्रचार-प्रसार के लिए पैनल अधिवक्ताओं एवं पराविधिक स्वयंसेवकों की ड्यूटी लगाई गई है। प्रचार वाहन 9 और 10 सितंबर को जनपद की सभी तहसीलों एवं प्रमुख स्थानों पर भ्रमण कर पंपलेट और पोस्टर के माध्यम से आमजन को राष्ट्रीय लोक अदालत के संबंध में जानकारी देगा।

पैनल अधिवक्ता एवं पराविधिक



स्वयंसेवक लोगों को लोक अदालत में निस्तारण योग्य मामलों, सुलह-समझौते के लाभ और मामलों के त्वरित निस्तारण की प्रक्रिया के बारे में जागरूक करेंगे।

सचिव ने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से विभिन्न सुलह योग्य वादों एवं प्री-लिटिगेशन मामलों का आपसी सहमति और सुलह-समझौते के आधार पर सरल एवं शीघ्र निस्तारण किया जा सकता है। अधिक से अधिक लोगों तक इसकी जानकारी पहुंचाने के लिए प्रचार अभियान चलाया जा रहा है। इस अवसर पर प्रधान न्यायाधीश

बांदा : प्लेसमेंट ड्राइव में 22 छात्रों को नौकरी, 46 का इंटरनशिप के लिए चयन

बांदा । उत्तर प्रदेश में बांदा कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने प्लेसमेंट ड्राइव में शानदार प्रदर्शन करते हुए विश्वविद्यालय का नाम रोशन किया। प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट निदेशालय की ओर से आयोजित कैपस प्लेसमेंट ड्राइव में 22 छात्रों का विभिन्न पदों पर चयन हुआ, जबकि अंतिम वर्ष के 46 छात्रों को इंटरनशिप के लिए चुना गया। दिव्यम पशु आहार प्राइवेट लिमिटेड, लखनऊ की चयन प्रक्रिया में टेरिटरी सेल्स मैनेजर पद के लिए 18 छात्रों का चयन हुआ। वहीं, झारखंड के आर्यभट्ट एजुकेशन एंड हेल्थ ट्रस्ट में कृषि विशेषज्ञ पद के लिए चार छात्रों का चयन किया गया। इसके अलावा 46 अंतिम वर्ष के छात्रों को आर्यभट्ट एजुकेशन एंड हेल्थ ट्रस्ट, बीएसएफ, स्वबीर बायोटेक प्राइवेट लिमिटेड और दिव्यम पशु आहार प्राइवेट लिमिटेड में इंटरनशिप का अवसर मिला। प्लेसमेंट नोडल अधिकारी डॉ. अभिषेक कालिया ने बताया कि विद्यार्थियों को रोजगार की बदलती जरूरतों के अनुरूप तैयार करने के लिए नियमित रूप से प्रशिक्षण, औद्योगिक भ्रमण और व्याव्तिन विकास कार्याशालाएं आयोजित की जा रही हैं। कुलपति प्रो. एस.वी.एस. राजू ने चर्चनित विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि विश्वविद्यालय का उद्देश्य छात्रों को बेहतर रोजगार और उद्यमिता के अवसर उपलब्ध कराना है। इसके लिए उद्योगों और शैक्षणिक संस्थानों के बीच समन्वय बढ़ाकर विद्यार्थियों को व्यावहारिक अनुभव और रोजगार के अधिक अवसर उपलब्ध कराने का प्रयास जारी है।

बच्चों को हुनरमंद बनाएगा ‘कौशल बोध 10 विद्यालयों में शुरू हुआ कार्यक्रम

कैनविज टाइम्स संवाददाता

निन्दूरा, बाराबंकी। नीति आयोग और लेंड ए हैंड इंडिया की साझेदारी के तहत विकासखंड निन्दूरा के 10 चयनित विद्यालयों में ‘कौशल बोध’ कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है। कार्यक्रम का उद्देश्य कक्षा छह से आठ तक के विद्यार्थियों को प्रारंभिक स्तर से विभिन्न व्यावसायिक कौशलों से परिचित कराना और भविष्य में इन्हें आजीविका एवं स्वरोजगार से जोड़ने के लिए तैयार करना है। परियोजना के तहत विद्यार्थी आगामी एक वर्ष में रसोई बागवानी, पौध नर्सरी, घरेलू बदलती जरूरतों के अनुरूप तैयार करने के लिए नियमित रूप से प्रशिक्षण, औद्योगिक भ्रमण और व्याव्तिन विकास कार्याशालाएं आयोजित की जा रही हैं। कुलपति प्रो. एस.वी.एस. राजू ने चर्चनित विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि विश्वविद्यालय का उद्देश्य छात्रों को बेहतर रोजगार और उद्यमिता के अवसर उपलब्ध कराना है। इसके लिए उद्योगों और शैक्षणिक संस्थानों के बीच समन्वय बढ़ाकर विद्यार्थियों को व्यावहारिक अनुभव और रोजगार के अधिक अवसर उपलब्ध कराने का प्रयास जारी है।

इसी क्रम में बुधवार को संयुक्त विद्यालय भ्रमण के दौरान खंड शिक्षा अधिकारी निन्दूरा अंबिका प्रसाद ओझा, मुख्यमंत्री फ़ेलो अलकमा रिजवी, एआरपी संदीप तथा कौशल बोध समन्वयक आशुतोष मौर्य ने कंपोजिट स्कूल बड़ाई डीह का निरीक्षण किया और परियोजनाओं की प्रगति का जायजा लिया। विद्यालय में विद्यार्थियों ने व्यावसायिक स्तर की लघु पौध नर्सरी विकसित की है। इसके साथ ही रसोई बाग में विभिन्न पौष्टिक सब्जियों और औषधीय पौधों का उत्पादन किया जा रहा है। टीम ने विद्यार्थियों से संवाद कर उनके कार्य और सीखने की प्रक्रिया की जानकारी ली। कंपोजिट स्कूल बड़ाई डीह ने कौशल बोध की शुरुआती तीन परियोजनाओं में उल्लेखनीय प्रदर्शन किया है। प्रधानाध्यापक अनुराग कटियार ने कहा कि बदलती रोजगार परिस्थितियों को देखते हुए बच्चों को विद्यालय स्तर से ही विभिन्न कौशलों से परिचित कराना रचनात्मकता और तकनीकी समझ से जोड़ा जा रहा है।

कि किसी कौशल को सीखकर उसे भविष्य में आजीविका अथवा स्वरोजगार का माध्यम बनाया जा सकता है।

उन्होंने बताया कि विद्यार्थियों में इन गतिविधियों को लेकर विशेष उत्साह है। उन्होंने बच्चों को व्यावहारिक एवं कौशल आधारित शिक्षा से जोड़ने के लिए लेंड ए हैंड इंडिया और नीति आयोग के प्रति आभार जताया।

कौशल बोध समन्वयक आशुतोष मौर्य एवं मुख्यमंत्री फ़ेलो अलकमा रिजवी ने कहा जजकि बदलते रोजगार परिदृश्य में विद्यार्थियों को कम उम्र से कौशल आधारित शिक्षा से जोड़ना जरूरी है। नीति आयोग की ‘विकसित भारत 2047 के लिए कौशल विकास की नई कल्पना’ रिपोर्ट में भी प्रारंभिक स्तर से कौशल विकास और व्यावसायिक शिक्षा का अनुभव देने पर जोर दिया गया है। इस दृष्टि से कौशल बोध परियोजना विद्यार्थियों को भविष्य की शिक्षा, रोजगार, उद्यमिता और आजीविका के लिए तैयार करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है।

मुरादाबाद : विद्युत चोरी पर जिलाधिकारी सख्त, 8,000 परिसरों की हुई जांच

मुरादाबाद । विद्युत उपभोक्ताओं को भरपूर विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित कराने तथा विद्युत चोरी के मामलों पर प्रभावी रोकथाम को लेकर मुरादाबाद जनपद में अभियान छेड़ दिया गया है। यहां जिलाधिकारी डॉ. राजेंद्र पैसिया के निर्देशों के क्रम में विद्युत वितरण मंडल प्रथम ने विद्युत चोरी, कटियामारी, मीटर टेम्परिंग एवं अवैध विद्युत उपभोग पर प्रभावी अंकुश लगाने तथा लाइन लॉस कम करने के उद्देश्य से अगस्त माह से चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। अगस्त से सितम्बर 2026 तक सघन चेकिंग एवं प्रवर्तन अभियान के अंतर्गत बड़ी संख्या में कटिया से चोरी कर बिजली जलाई जाती पकड़ी गई है। अधीक्षण अभियंता विद्युत ग्रामीण गुलशन गोयल ने बुधवार को बताया कि अभियान के अंतर्गत विद्युत विभाग की स्थानीय टीमों एवं विजिलेंस टीमों द्वारा संयुक्त रूप से विभिन्न क्षेत्रों में व्यापक स्तर पर जांच एवं छापेमारी की जा रही है। इस अभियान के दौरान अब तक करीब 8,000 से अधिक परिसरों/उपभोक्ताओं की जांच की गई, जिसमें विद्युत चोरी के 320 मामले पकड़े गए। विद्युत चोरी के सभी मामलों में भारतीय विद्युत अभिनियम, 2003 की धारा 135/138बी के तहत एफआईआर दर्ज कराई गई है।

मथुरा । राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देशानुसार मथुरा रिफाइनरी द्वारा बुधवार नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति मथुरा के तत्वावधान में सदस्य कार्यालयों और मथुरा रिफाइनरी के लिए एक विशेष हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत इंडियन ऑयल के राजभाषा गीत के साथ हुई। कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में मथुरा रिफाइनरी के महाप्रबंधक (कर्मचारी सेवाएँ) अभिनव गोस्वामी, मुख्य प्रबंधक (कर्मचारी सेवाएँ) एम.के. उपाध्याय और वरिष्ठ प्रबंधक (सीसी, सीएसआर) विवेक शर्मा विशेष रूप से उपस्थित रहे। स्वागत संबोधन देते हुए महाप्रबंधक (कर्मचारी सेवाएँ) अभिनव गोस्वामी ने कहा कि राजभाषा हिंदी हमारे प्रशासनिक कार्यों को सरल, सुगम और प्रभावी बनाने का एक सशक्त माध्यम है। यह केवल अभिव्यक्ति का साधन नहीं, बल्कि हमारे जड़ों और संस्कृति से जोड़ने वाली एक महत्वपूर्ण कड़ी भी है। उन्होंने कहा कि आज के डिजिटल युग में तकनीकी उपकरणों के माध्यम से कार्यालयीन कार्यों में हिंदी का प्रयोग और अधिक सहज हो गया है। इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य केवल नियमों की जानकारी देना नहीं, बल्कि कार्यालयों में हिंदी के व्यावहारिक प्रयोग को बढ़ावा देना है। प्रथम सत्र में दीपक कुमार साह, वरिष्ठ अधिकारी (हिंदी व सीएसआर) ने कार्यालयीन कार्यों में राजभाषा हिंदी के नियम-अभिनियमों के अनुपालन और हिंदी समन्वयकों की भूमिका पर विस्तृत जानकारी दी। द्वितीय सत्र में कार्यशाला के दूसरे चरण में काहूत (केएचओओटी) के माध्यम से क्लाइड हिंदी प्रतियोगिताद्वारा का आयोजन किया गया। इस दौरान नराकास, मथुरा की वार्षिक पत्रिका ल्ब्रज रश्मिद्व के रचनाकारों को प्रतिभाषिता पुरस्कार प्रदान किए गए। अंत में धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया।

बांदा : कर्ज से परेशान युवक ने फांसी लगाकर दी जान

बांदा । उत्तर प्रदेश के जनपद बांदा में अतर्रां थाना क्षेत्र ग्रामीण के मजरा गया प्रसाद का पुरवा में रहने वाले युवक ने समूह से लिए एक लाख रुपये के कर्ज और उसकी अदायगी के लिए लगातार बनाए जा रहे दबाव से परेशान होकर बुधवार सुबह घर के कमरे में फांसी लगा ली। घटना के समय उसकी पत्नी मजदूरी करने गई थी। पिता को फंदे पर लटका देखकर बड़ी बेटी के शोर मचाने पर परिरजन और पड़ोसी मौके पर पहुंचे। युवक को तत्काल नीचे उतारकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अंतर्रां ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। अंतर्रां ग्रामीण के मजरा गया प्रसाद का पुरवा निवासी ओमप्रकाश कुशवाहा (36) खेती और मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण करता था। उसके पास करीब 10 बिस्वा कृषि भूमि थी। परिरजनों के मुताबिक, करीब एक वर्ष पहले उसने एक समूह संस्था से एक लाख रुपये का कर्ज लिया था। आर्थिक स्थिति ठीक न होने के कारण वह समय से कर्ज की रकम जमा नहीं कर पा रहा था। इधर काफी समय से समूह के कर्मचारी उस पर लगातार रुपये जमा करने का दबाव बना रहे थे और कार्रवाई की धमकी दे रहे थे। बुधवार सुबह करीब 9.30 बजे ओमप्रकाश ने घर के कमरे में धन्नी के सहारे गमछ का फंदा बनाकर आत्मघाती कदम उठा लिया। उस समय उसकी पत्नी ममता मजदूरी करने गई थी।

पांच राज्यों के चुनाव में भाजपा को मिले 1473 करोड़, कांग्रेस से सात गुना ज्यादा

एजेंसी

नई दिल्ली। पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव के दौरान भाजपा और कांग्रेस की चुनावी कमाई में बड़ा अंतर सामने आया है। चुनाव आयोग के सामने दाखिल खर्च और आय से जुड़े ब्योरे के मुताबिक, भाजपा के केंद्रीय मुख्यालय को इस अवधि में करीब 1,472.8 करोड़ रुपये मिले। यह कांग्रेस की पांचों राज्यों और केंद्रीय इकाइयों की कुल शुद्ध प्राप्तियों 207.17 करोड़ रुपये से सात गुना से भी ज्यादा है। हालांकि, दोनों आंकड़ों की तुलना करते समय यह ध्यान रखना जरूरी है कि भाजपा का उपलब्ध आंकड़ा केवल केंद्रीय मुख्यालय का है।

15 मार्च से 6 मई तक असम, केरल, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल और पुदुचेरी के विधानसभा चुनाव हुए। इस दौरान कांग्रेस ने केंद्रीय मुख्यालय और पांचों राज्यों की इकाइयों को मिलाकर 207.17 करोड़ रुपये की शुद्ध प्राप्तियां बताईं। उसका कुल चुनावी खर्च 248.55 करोड़ रुपये रहा।

जातिवाद खत्म हो जाए तो आरक्षण छोड़ने को तैयार : रामदास आठवले

एजेंसी

रायपुर। केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री रामदास आठवले बुधवार को छत्तीसगढ़ के एक दिवसीय दौरे पर रायपुर पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने आरक्षण को लेकर बड़ा बयान दिया। आठवले ने कहा कि अगर देश से जातिवाद पूरी तरह खत्म हो जाता है, तो वे आरक्षण छोड़ने के लिए तैयार हैं लेकिन जब तक जातिवाद और भेदभाव मौजूद है, तब तक आरक्षण व्यवस्था जारी रहनी चाहिए।

रामदास आठवले ने यह बयान रायपुर के स्टेट गैस्ट हाउस ‘पहुना’ में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में दिया। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भारत में आरक्षण का आधार जाति व्यवस्था है। आज भी देश के कई हिस्सों में दलितों और आदिवासियों पर अत्याचार होते हैं। आठवले ने दो टुक शब्दों में कहा कि जब तक समाज से जातिवाद का जहर खत्म नहीं होता, तब तक आरक्षण व्यवस्था



लागू रहेगी, इसलिए इसका विरोध नहीं किया जाना चाहिए। आठवले ने दलितों के मुद्दे पर कांग्रेस और विपक्ष पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि विपक्ष का काम अब केवल टिप्पणी करना रह गया है, उनके पास देश के विकास का कोई विजन नहीं है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की तारीफ करते हुए उन्होंने कहा कि मोदी सरकार दलितों की सेवा करने और उन्हें न्याय दिलाने में पूरी तरह सक्षम और प्रयासरत है। विकास के काम अब बहुत तेजी से हो रहे हैं। सोशल मीडिया और अन्य जगहों पर चल रहे ‘आरक्षण हटाओ’ अभियानों पर

कमी आई।

उपलब्ध खर्च ब्योरे के अनुसार भाजपा ने असम, तमिलनाडु और पुदुचेरी में करीब 159.7 करोड़ रुपये खर्च किए। इसमें लगभग 130.4 करोड़ रुपये सामान्य पार्टी प्रचार पर और बाकी रकम उम्मीदवारों तथा उनसे जुड़े खर्च पर गई। असम में सबसे ज्यादा 96.27 करोड़ रुपये खर्च हुए। इसमें 76.73 करोड़ रुपये सामान्य प्रचार और 19.54 करोड़ रुपये उम्मीदवारों पर खर्च किए गए। सामान्य प्रचार में करीब 37 करोड़ रुपये विज्ञापन और लगभग 27.3 करोड़ रुपये स्टार प्रचारकों की यात्रा पर खर्च हुए।

तमिलनाडु में भाजपा का खर्च 51.56 करोड़ रुपये रहा। इसमें 44.51 करोड़ रुपये सामान्य प्रचार और 7.05 करोड़ रुपये उम्मीदवारों पर खर्च हुए। मीडिया विज्ञापनों पर करीब 23.96 करोड़ रुपये, स्टार प्रचारकों की यात्रा पर 10.04 करोड़ रुपये और प्रचार सामग्री पर करीब 5.85 करोड़ रुपये खर्च किए गए। पुदुचेरी में पार्टी ने 11.90 करोड़ रुपये खर्च किए,

जिसमें 9.19 करोड़ रुपये सामान्य प्रचार और 2.71 करोड़ रुपये उम्मीदवारों पर गए।

कांग्रेस ने पांचों राज्यों में कुल 248.55 करोड़ रुपये खर्च किए। इसमें 143 करोड़ रुपये सामान्य पार्टी प्रचार और 105.55 करोड़ रुपये उम्मीदवारों पर खर्च किए गए। कांग्रेस के केंद्रीय मुख्यालय ने पांचों राज्यों में सामान्य प्रचार पर 40.52 करोड़ रुपये खर्च किए। उसकी राज्य और स्थानीय इकाइयों ने इसी मद में 102.49 करोड़ रुपये खर्च किए। सामान्य प्रचार में सबसे ज्यादा खर्च केरल में हुआ, जहां कांग्रेस ने 59.28 करोड़ रुपये लगाए। इसके बाद असम में 22.62 करोड़ रुपये खर्च किए गए। इस तरह चुनावी खर्च के उपलब्ध आंकड़ों में भाजपा और कांग्रेस के बीच बड़ा अंतर दिखाई देता है, लेकिन प्राप्तियों की सीधी तुलना करते समय भाजपा के केवल केंद्रीय मुख्यालय के आंकड़े और कांग्रेस के केंद्रीय व राज्य स्तर के संयुक्त आंकड़े होने का अंतर समझना जरूरी है।

स्वदेशी समुद्री अनुसंधान पोत ‘सागर मंथन’

एजेंसी

कोलकाता। कोलकाता स्थित गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स (जीआरएसई) ने बुधवार को स्वदेशी समुद्री अनुसंधान पोत ‘सागर मंथन’ का जलावतरण किया। राष्ट्रीय ध्ववीय एवं समुद्री अनुसंधान केंद्र (एनसीपीओआर) के लिए करीब 840 करोड़ रुपये की लागत से बनाए जा रहे इस अत्याधुनिक पोत से गहरे समुद्र में भारत की अनुसंधान, सर्वेक्षण और खोज क्षमता को मजबूती मिलने की उम्मीद है।

जीआरएसई के ऋषि बंकिम शिपयार्ड में आयोजित जलावतरण समारोह में पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के सचिव श्रीनिवास कुमार तुम्मला समेत कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। केंद्रीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) जितेंद्र सिंह ने पोत के जलावतरण और नामकरण पर जीआरएसई तथा पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय को बधाई दी। जीआरएसई के प्रबंध निदेशक कमोडोर पी.आर. हरि ने बताया कि कील बिछाए जाने के करीब पांच महीने बाद ही पोत का जलावतरण किया गया है। उन्होंने इसे शिपयार्ड की

बेटे को मां के पैर छूकर माफी मांगने का निर्देश

नई दिल्ली। संपत्ति को लेकर मां और बेटे के बीच चल रहे विवाद में सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को हिंदू धर्म में ‘मां’ के महत्व रेखांकित करते हुए बेटे को अपनी मां से माफी मांगने को कहा है। मां की संपत्ति कब्जा करने के बेटे-बहू के प्रयास को विफल करते हुए शीर्ष अदालत ने मौखिक तौर पर बेटे से कहा कि वह अपनी मां के पास वापस जाएं और उनका पैर छूकर आशीर्वाद लें। न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा और न्यायमूर्ति एन. कोटिस्वर सिंह की पीठ ने दिल्ली हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ बेटे की अपील खारिज करते हुए यह टिप्पणी की। हाईकोर्ट ने मां के हक में फैसला देते हुए बेटे से मकान खाली करने का आदेश दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने बेटे की अपील खारिज करते हुए निचली अदालत और हाईकोर्ट के फैसले को बरकरार रखा। बेटे की अपील खारिज करते हुए जस्टिस शर्मा ने बेटे से कहा कि तुम्हें अपनी मां के पैर छूने चाहिए और अपने सभी गुनाहों के लिए माफी मांगनी चाहिए। उन्होंने कोर्ट में मौजूद मौजूद वकीलों से भी सवाल करते हुए कहा कि क्या बेटे का यह व्यवहार गलत नहीं है? हम बेटे से कह रहे हैं कि वह मां के पास वापस जाए, उनके पैर छुए, उनकी भावना को समझे, माफी मांगे।

स्वदेशी समुद्री अनुसंधान पोत ‘सागर मंथन’ का जलावतरण



निर्माण क्षमता और निर्धारित समय से पहले काम पूरा करने की क्षमता का प्रमाण बताया। पोत के वर्ष 2028 की शुरुआत तक उपयोग के लिए तैयार होने की उम्मीद है। 89.5 मीटर लंबे और 18.8 मीटर चौड़े ‘सागर मंथन’ का कुल भार करीब 5,900 टन होगा। यह अधिकतम निरंतर क्षमता के 90 प्रतिशत पर 14 समुद्री मील की गति से चल सकेगा। इसे कठिन समुद्री परिस्थितियों में लंबे समय तक अनुसंधान कार्य करने के लिए तैयार किया गया है। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के सचिव ने कहा कि पोत गहरे समुद्र में समुद्र विज्ञान और

सबसे करीबी दोस्त और पड़ोसी होने के नाते भारत हमेशा श्रीलंका की मदद करता रहेगा : राजनाथ

एजेंसी

नई दिल्ली। तीन दिवसीय यात्रा पर श्रीलंका गए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बुधवार को कोलंबो में श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके से मुलाकात की। दोनों नेताओं ने दोनों देशों के बीच कई तरह की साझेदारी के सभी मुद्दों पर बातचीत की। दोनों पक्षों ने इस बात पर फिर से जोर दिया कि दोनों देश करीबी पड़ोसी और समुद्री पारتنर के तौर पर भारत और श्रीलंका की भलाई के लिए मिलकर काम करते रहेंगे। साथ ही इस इलाके की सुरक्षा, शांति और खुशहाली पक्की करने के लिए मिलकर काम करेंगे।

रक्षा मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि दोनों देशों के नागरिकों के बीच मजबूत ऐतिहासिक और सिविलाइजेशनल रिश्तों और लोगों के बीच मेलजोल पर आधारित गहरी दोस्ती है। रक्षा मंत्री का गर्मजोशी से स्वागत करते हुए राष्ट्रपति दिसानायके ने प्रधानमंत्री मोदी के साथ अपनी बातचीत को याद करके दोहराया कि श्रीलंका कभी

भी अपने इलाके का इस्तेमाल भारत के सुरक्षा हितों के खिलाफ किसी भी काम के लिए नहीं होने देगा। राष्ट्रपति दिसानायके ने साइक्लोन दितवाह के दौरान ‘ऑपरेशन सागर बंधु’ के तहत भारत की तरफ से दी गई राहत मदद के लिए शुक्रिया अदा किया।

रक्षा मंत्री ने जोर देकर कहा कि श्रीलंका का सबसे करीबी दोस्त और पड़ोसी होने के नाते भारत इसे कोई एहसान नहीं, बल्कि सबसे पहले मदद करने वाले के तौर पर मदद देना अपनी जिम्मेदारी समझता है और आगे भी ऐसा करता रहेगा। दोनों नेताओं ने भारतीय सशस्त्र बलों के बनाए तीन बेली ब्रिज का वचुंअली उद्घाटन किया। दोनों पक्षों ने श्रीलंकाई एयरफोर्स के लिए एल-70 गनस के अपग्रेडेशन और दोनों देशों के नेशनल कैडेट कॉर्प्स और नेशनल डिफेंस कॉलेज के बीच सहयोग पर समझौता भी किया। इन एयर डिफेंस गनस के अपग्रेडेशन से श्रीलंका में जरूरी एसेट्स का एयर डिफेंस आर्किटेक्चर काफी मजबूत होगा। ये एयर डिफेंस गनस पहले भारत ने श्रीलंका एयर फोर्स को दी थीं।

पानी के भीतर चलने वाले वाहनों (आरओवी) को समुद्र में उतारने और वापस लाने में सक्षम होगा। इन उपकरणों को राष्ट्रीय समुद्र प्रौद्योगिकी संस्थान विकसित कर रहा है। जीआरएसई के अनुसार, ‘सागर मंथन’ छह किलोमीटर तक की गहराई में बहु-किरण सोनार और भूभौतिकीय भूकंपीय सर्वेक्षण कर सकेगा। इसके जरिए तापमान, लवणता और समुद्र की गहराई का अध्ययन, पानी के नमूने लेने तथा जैविक नमूने एकत्र करने की सुविधा भी होगी। पोत में समुद्र तल से नमूने लेने, चट्टानों के नमूने निकालने तथा समुद्र में निगरानी एवं आंकड़ा संग्रहण उपकरण स्थापित करने की सुविधाएं होंगी। वैज्ञानिक पोत पर ही नमूनों का प्राथमिक विश्लेषण और आंकड़ों का प्रसंस्करण कर सकेंगे। वैज्ञानिकों और तकनीशियनों के प्रशिक्षण तथा शिक्षा के लिए भी विशेष सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं।

अधिकारियों के अनुसार, ‘सागर मंथन’ हिंद महासागर क्षेत्र में मैंगनीज नोड्यूल और बहुधात्विक सल्फाइड जैसे समुद्री खनिज संसाधनों की खोज में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

आत्मघाती हमला था...

के लिए टिकाने तय करने में डॉ. नबी ने अहम रोल अदा किया। टेरर मॉड्यूल की बैठकें जम्मू-कश्मीर और दिल्ली-एनसीआर में कराई गईं। वहीं सदस्यों को ट्रेनिंग दी गई और आतंकी गतिविधियों को अंजाम देने की तैयारियां की गईं। आरोपी बेहद खतरनाक विस्फोटक बनाने में जुटे थे। इसके लिए मैटेरियल जमा करने का काम किया जा रहा था। एनआईए का कहना है कि डॉ. नबी और एक सह-आरोपी ने हमले की साजिश के तहत एक पुरानी कार खरीदी थी। धमाके के समय नबी गाड़ी के अंदर ही था। 10 नवंबर 2025 को लाल किले के पास जो गाड़ी विस्फोट में फटी थी उसे ‘व्हीकल बॉर्न इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस’ में बदल दिया गया था। फोरेंसिक सबूतों से पता चला कि विस्फोटक डिवाइस को गाड़ी के अंदर से ही एक कमांड मैकेनिज्म के जरिए फोड़ा गया था।

हमारे लिए सभी मामले ...

से सूचीबद्ध नहीं हुई है।' इस पर सीजेआई ने कहा 'हमें प्रक्रिया का पालन करने दें। यदि चाहते हैं कि जल्द सुनवाई हो तो इसके लिए समुचित अर्जी दाखिल करें। हमारे सामने सब बराबर हैं। कृपया जल्द सुनवाई के लिए अर्जी दाखिल करें। हम उस पर विचार करेंगे।' सुप्रीम कोर्ट कांग्रेस नेता की ओर से इलाहाबाद उच्च न्यायालय के फैसले के खिलाफ दाखिल अपील पर सुनवाई कर रही है। गांधी ने वर्ष 2022 भारत जोड़ो यात्रा के दौरान सेना को लेकर उनकी कथित टिप्पणियों को लेकर मानहानि मामले में निचली अदालत द्वारा समन जारी किए जाने के खिलाफ दाखिल याचिका खारिज किए जाने के उच्च न्यायालय के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। सुप्रीम कोर्ट ने पहले उनके लखनऊ की अदालत में गांधी के खिलाफ कार्यवाही पर रोक लगा दी थी। कांग्रेस नेता के खिलाफ सीमा सड़क संगठन के पूर्व निदेशक उदय शंकर श्रीवास्तव की शिकायत से शुरू हुई थी। श्रीवास्तव ने लखनऊ की अदालत में आरोप लगाया था कि 9 दिसंबर 2022 को भारत-चीन झड़प के बारे में गांधी की 16 दिसंबर 2022 की टिप्पणियां आपत्तिजनक थीं और भारतीय सशस्त्र बलों के खिलाफ मानहानिपूर्ण थीं।

बेटी की सुरक्षा...

का काम भी कर रही है। उन्होंने बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, समूहिक विवाह योजना और प्रथामंत्री मातृ वंदना योजना जैसी योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि इन योजनाओं ने महिलाओं और

बेटियों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने का काम किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अटल आवासीय विद्यालयों में आधी सीटें बेटियों के लिए सुनिश्चित की गई हैं। कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालयों के माध्यम से बेटियों की शिक्षा को आगे बढ़ाया जा रहा है। उन्होंने रानी लक्ष्मीबाई स्कूटी योजना का भी उल्लेख किया और कहा कि मेधावी छात्राओं को स्कूटी वितरित की जाएगी। मुख्यमंत्री ने महिला आर्थिक स्वावलंबन पर जोर देते हुए कहा कि प्रदेश में करीब 28 लाख महिलाएं स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से आर्थिक गतिविधियों से जुड़ी हैं। मुख्यमंत्री ने पारिवारिक लाभ योजना का उल्लेख करते हुए कहा कि विधवा, विद्यंग और बुजुर्ग महिलाओं को सालाना 12 हजार रुपये की पेंशन उपलब्ध कराने का काम किया जा रहा है। कार्यक्रम में फिल्म के माध्यम से महिलाओं के सम्मान, सुरक्षा, शिक्षा, रोजगार और आर्थिक स्वावलंबन को लेकर सरकार की प्राथमिकताओं को प्रमुखता से रेखांकित किया गया।

उत्तर प्रदेश में 70 हजार...

के पहले आंगनबाड़ी केंद्र देखा होगा, ज्यादातर में गंदगी थी। उत्तर प्रदेश में आंगनबाड़ी केंद्र में व्यवस्था नहीं थी। समय पर कोई रेंसिपी नहीं उपलब्ध होती थी। 2017 में जब हम आये तो पता लगा कि उत्तर प्रदेश का एक शराब माफिया यह रेंसिपी सप्लाई करता था। हमने उसके क्वॉलिटी की जांच के आदेश दिए। आंगनबाड़ी केंद्र में बच्चे अपना टाट लेकर जाते थे। केंद्रों में न पेयजल था, न टॉयलेट, न ही कोई हॉट कुक फूड। गलती करता था कोई और गाली पड़ती थी आंगनबाड़ी कार्यकर्ता को। लखनऊ में बैठकर गलती वो लोग करते थे। आपके हिस्से आती थी गाली। मानंदेय भी नहीं मिलता था। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि आज उत्तर प्रदेश की बात करें तो मैं जब जिलों के भ्रमण करने जाता हूँ तो अक्सर आंगनबाड़ी और बाल वाटिका देखने भी जाता हूँ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के भविष्य की नींव को सशक्त बनाने के लिए जो 2014 में कदम बढ़ाए थे, जो जब गुजरात के मुख्यमंत्री थे तो ये मॉडल 2001 से अपनाया था। हमने पिछले साढ़े नौ वर्षों में 70 हजार से अधिक आंगनबाड़ी केंद्रों को नया स्वरूप दिया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में पहली बार हुआ है जब आंगनवाड़ी केंद्र के निर्माण में 30 लाख खर्च करके उनको मॉडल बनाया गया है। आज जो पोषाहार वितरित हो रहा है वो हॉट मील के साथ टीचरआर प्लंट से ही सप्लाई दी जा रही है। बच्चों के लिए टॉयलेट, पीने का पानी तथा बाल वाटिका संचालित है। उन्होंने

पेज एक का शेष

बताया कि इस वर्ष इस अभियान में पांच विषयों को शामिल किया गया है, जिसमें आहार विविधता एवं प्रोटीन युक्त भोजन, केंद्रों पर ताजा मर्ग पका हुआ भोजन, सामुदायिक स्वामित्व एवं भागीदारी, पोषण एवं प्रारंभिक विकास तथा प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना अभियान प्रमुख हैं। उन्होंने बताया कि केंद्रों के माध्यम से पांच करोड़ माताओं को 2100 करोड़ से ज्यादा की धनराशि मुहैया कराई गई है। प्रदेश में एक लाख नब्बे हजार केंद्र स्वीकृत हैं। 40 वर्ष पुराने 2100 विद्यालयों के भवनों को राशि मुहैया कराई गई है। उन्होंने विश्वास जताते हुए कहा कि आंगनवाड़ी बढेंगे पोषण माह के कार्यक्रम को स्वस्थ प्रतिस्पर्धा में आगे बढ़ाएगी। उन्होंने बताया कि 2017 के पहले तीन हजार मासिक को आज चार गुना बढ़ाकर 12 हजार रुपये करते हुए उनको पांच लाख का स्वास्थ्य बीमा भी मुहैया कराया गया है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि काशी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने विजन से नए कलेवर के रूप में पहचान दी है। आज काशी, नई आभा नई काया के साथ दुनिया को आकर्षित कर रही है। हमें आज़ादी के 100 वर्ष पूर्ण होने पर हमें कैसा भारत चाहिए!

आत्मनिर्भर और विकसित भारत, लेकिन यह आत्मनिर्भर, विकसित भारत दिल्ली में बनाने से नही होगी। यह आत्मनिर्भर, विकसित भारत गांव और गलियों से होकर निकलेगी। यहां से प्रारंभ होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्र, बेसिक शिक्षा परिषद के स्कूल इसके प्रारंभिक केंद्र बनेंगे। मुख्यमंत्री ने इस वर्ष की थीम ‘मेरी आंगनबाड़ी, मेरी जिम्मेदारी’ को जनभागीदारी से जोड़ते हुए कहा कि आंगनबाड़ी की जिम्मेदारी सिर्फ सरकार की नहीं है। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और सहायिका के साथ ग्राम पंचायत, परिवार और पूरा समुदाय अपनी जिम्मेदारी समझे, तभी इसका वास्तविक असर दिखाई देगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री का विकसित भारत का सपना तभी साकार होगा जब देश का बचपन स्वस्थ, सक्षम और शिक्षित होगा। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने टेक होम राशन (टीचरआर) से बच्चों को मिलने वाले लाभ के बारे में भी जानकारी ली। योगी आदित्यनाथ ने कार्यक्रम में गुजरात और ओडिशा से आई आंगनबाड़ी कार्यकर्त्रियों से भी संवाद किया। उन्होंने आदर्श आंगनबाड़ी केंद्र विकसित करने के लिए किए जा रहे प्रयासों और कुपोषित बच्चों के जीवन में आए बदलावों के बारे में जानकारी ली। कार्यक्रम को केन्द्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अनन्पूर्णा देवी, केंद्रीय राज्य मंत्री सावित्री ज़ाकुर, प्रदेश की महिला एवं बाल विकास कल्याण मंत्री बेबी रानी मौर्य ने भी संबोधित किया।

रेलवे के सात...

की बढ़ोतरी होगी। मंजूर की गई परियोजनाओं में खड़गपुर-झारसुगुड़ा के बीच चौथी लाइन और कटनी-पेंड्रा रोड सेक्शन में चौथी लाइन का निर्माण शामिल है। इसके अलावा बिलासपुर (उसलापुर)-पेंड्रा रोड सेक्शन में तीसरी लाइन बनाई जाएगी। सरकार के मुताबिक, अतिरिक्त रेल लाइन बनाने से इन मार्गों की क्षमता बढ़ेगी। इससे ट्रेनों की आवाजाही बेहतर होने के साथ परिचालन दक्षता और सेवा की विश्वसनीयता में सुधार होगा। मल्टी-ट्रैकिंग से रेलवे परिचालन को सुचारु बनाने और भीड़भाड़ कम करने में भी मदद मिलेगी। ये तीनों परियोजनाएं पश्चिम बंगाल, झारखंड, ओडिशा, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के 14 जिलों से होकर गुजरेगी। परियोजनाओं के जरिए भारतीय रेलवे के मौजूदा नेटवर्क में करीब 656 किलोमीटर की वृद्धि होगी। सरकार के अनुसार, इससे लगभग 4,790 गांवों की कनेक्टिविटी बेहतर होगी। इन गांवों में करीब 56 लाख लोगों की आबादी है। सरकार ने बताया कि इन परियोजनाओं की योजना पीएम गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान के तहत बनाई गई है। इसका फोकस मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी और लॉजिस्टिक्स क्षमता को बेहतर बनाने पर है। इसके लिए एकीकृत योजना और संबंधित पक्षों के साथ विचार-विमर्श को आधार बनाया गया है। इससे लोगों, सामान और सेवाओं की आवाजाही के लिए बेहतर कनेक्टिविटी उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। इन परियोजनाओं से कई प्रमुख पर्वटन और धार्मिक स्थलों की रेल कनेक्टिविटी मजबूत होने की उम्मीद है। इनमें तारातारिणी मंदिर, श्री क्षेत्र जगन्नाथ मंदिर, बंधवगढ़ टाइगर रिजर्व, विराटेश्वर मंदिर, अमरकंटक मंदिर, ज्वालामुख धाम, आचारकमार टाइगर रिजर्व, खटावत बांध, मल्हार पुरातात्विक स्थल और रतनपुर महामाया मंदिर समेत कई स्थान शामिल हैं। सरकार के अनुसार, ये रेल मार्ग कोयला, सीमेंट, लोहा और इस्पात जैसी वस्तुओं की दुलाई के लिए महत्वपूर्ण हैं।

क्षमता बढ़ने के बाद माल दुलाई में करीब 27 खट्टइय यानी 2.7 करोड़ टन सालाना अतिरिक्त यातायात की संभावना है। इससे इन मार्गों पर माल परिवहन की क्षमता बढ़ाने में मदद मिलेगी। सरकार ने इन परियोजनाओं के पर्यावरणीय लाभों पर भी जोर दिया है। रेलवे को पर्यावरण के अनुकूल और ऊर्जा दक्ष परिवहन माध्यम बताते हुए कहा गया कि इन परियोजनाओं से देश के जलवायु लक्ष्यों को हासिल करने और लॉजिस्टिक्स लागत कम करने में मदद मिलेगी। सरकार के मुताबिक, इससे करीब 12 करोड़ लीटर तेल आयात में कमी और लगभग

62 करोड़ किलोग्राम ए? उत्सर्जन में कमी आने की संभावना है। यह पर्यावरणीय लाभ करीब 2.48 करोड़ पेड़ लगाने के बराबर बताया गया है।

अशोक सिद्धार्थ को राजनीति...

राजनीति से पूरी तरह संन्यास लेने का मौका है। बसपा के मुताबिक, ऐसा होने पर उनके दामाद आकाश आनंद के लिए पार्टी में स्वतंत्र रूप से काम करना संभव होगा और उनकी जिम्मेदारियां वापस देने पर सहानुभूतिपूर्वक विचार किया जा सकता है। बसपा ने आरोप लगाया कि अशोक सिद्धार्थ को पार्टी ने सुधार का एक नहीं, कई बार मौका दिया, लेकिन उन्होंने बहुजन मिशन से अधिक निजी और पारिवारिक स्वार्थ तथा महत्वाकांक्षा को महत्व दिया। पार्टी का कहना है कि इसका खामियाजा अशोक सिद्धार्थ के साथ उनके दामाद आकाश आनंद को भी भुगतना पड़ा है। बयान में कहा गया कि अशोक सिद्धार्थ ने अपने निजी स्वार्थ में आकाश आनंद और बसपा मूवमेंट की भी पर्याप्त परवाह नहीं की। पार्टी के मुताबिक, उनसे दूसरों की तुलना में अधिक त्याग, तपस्या और कुर्बानी की अपेक्षा थी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। मायावती ने कहा कि उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और पंजाब में विधानसभा चुनाव बहुत नजदीक हैं। पार्टी के अनुसार ये तीनों राज्य बहुजन समाज और बहुजन मूवमेंट के लिए विशेष महत्व रखते हैं। पार्टी कार्यकर्ता, पत्राधिकारी, समर्थक और शुभचिंतक इन राज्यों में सत्ता प्राप्ति के लिए पूरी ताकत से जुटे हैं। मौजूदा समय में पार्टी और बहुजन समाज को विरोधी दलों और जातिवादी तत्वों से कई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। सर्वसमाज के लोगों से सहयोग की अपील करते हुए दलित समाज समेत बहुजन समाज के सभी वर्गों से निजी या पारिवारिक स्वार्थ में ऐसा कोई कदम नहीं उठाने को कहा, जिससे आंदोलन के हित प्रभावित हों। मायावती ने कहा कि शीर्ष नेतृत्व संगठन में भूले-भटक लोगों को उनके आचार-व्यवहार को ध्यान में रखते हुए शामिल कर रहा है। वहीं, पार्टी की राह में बाधा बनने वालों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई भी की जा रही है। बयान में अशोक सिद्धार्थ को इसका चर्चित उदाहरण बताया गया है। मायावती ने आकाश आनंद की भविष्य की भूमिका को भी अशोक सिद्धार्थ के फैसले से जोड़ते हुए संकेत दिया है। यह अशोक सिद्धार्थ राजनीति से संन्यास लेकर निजी स्वार्थ और राजनीतिक महत्वाकांक्षा से ऊपर उठते हैं तो आकाश आनंद के लिए पार्टी में स्वतंत्र रूप से काम करना संभव होगा। ऐसी स्थिति में पार्टी आकाश आनंद को उनकी जिम्मेदारियां वापस देने पर सहानुभूतिपूर्वक विचार

कर सकती है, ताकि वह संगठन में फिर सक्रिय भूमिका निभा सकें।

अफगानिस्तान में...

और 2019 में पुलवामा में हुआ आतंकी हमला शामिल हैं। पाकिस्तान को धमशोधन रोधी व्यवस्था में प्रणालीगत कमियों और आतंकवाद के वित्तपोषण पर रोक लगाने में विफल रहने के कारण 2018 से 2022 के बीच एफएटीएफ की ‘ग्रे सूची’ (निगरानी सूची) में रखा गया था।

मोदी सरकार की...

जीवन पर आधारित चित्रकला और भाषण प्रतियोगिताएं आयोजित करेंगी। उन्होंने कहा कि विजेताओं को मुख्यमंत्रियों और केंद्रीय मंत्रियों के स्तर पर प्रमाण पत्र प्रदान किए जाएंगे। ‘’नमो सेवा अनकही कहानियां’’ और ‘’सेवा की कहानी’’ कार्यक्रमों के माध्यम से सरकारी योजनाओं से आए बदलावों की गाथाओं को नाटक, संगीत और चौपालों के जरिए लोगों तक पहुंचाया जाएगा। भाजपा प्रधानमंत्री मोदी के जन्म स्थान वडनगर और उनकी कर्मभूमि वाराणसी के बीच युवाओं की दो ‘’सेवा यात्राएं’’ भी आयोजित करेंगी जिसमें करीब 1000 युवा शामिल होंगे। 20 दिन की यह यात्रा 10 राज्यों से होकर गुजरेगी। इन यात्राओं की कमान पार्टी का युवा मोर्चा संभालेगा। ‘’सेवा मेरा योगदान’’ के तहत श्रमदान, पात्र लाभार्थियों को मदद के लिए ब्लॉक स्तर पर ‘’सेवा सेतु’’ शिविर, स्वास्थ्य शिविर और सरकारी योजनाओं की जानकारी देने वाले शिविर भी लगाए जाएंगे। सार्वजनिक स्थलों पर ‘’सेवा के रंग, राष्ट्र के संग’’ के तहत रंगोली बनाई जाएगी, जबकि युवाओं व स्टार्टअप के लिए ‘’सेवा फर्स्ट इनोवेशन चैलेंज’’ आयोजित किया जाएगा। दो अक्टूबर को हर साल की तरह स्वच्छता अभियान भी चलाया जाएगा।

कुपवाड़ा में हिजबुल...

का पता लगाने के लिए जांच की जा रही है।'हाइब्रिड आतंकवादी' का मतलब ऐसे व्यक्ति से है, जिसका नाम आतंकियों की किसी सूची में दर्ज नहीं होता है। आम लोगों के साथ सामान्य जिंदगी जीते हुए यह किसी को खुद पर संदेह का अवसर नहीं देता। घोर कट्टरपंथी यह शायद आतंकी संगठन के किसी हैंडलर से गोपनीय तरीकों से संपर्क में रहता है। हैंडलर के निर्देश पर वह खास विध्वंसक या हिंसक घटना को अंजाम देता है। इसके बाद वह फिर सामान्य जीवन में लौट जाता है।

बनभूलपुरा मामले में न्यायालय का आदेश सर्वोपरि : धामी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

देहरादून । मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बनभूलपुरा मामले को लेकर राज्य सरकार का रुख स्पष्ट करते हुए कहा कि मामले में न्यायालय का जो भी आदेश होगा, सरकार उसका पूर्ण सम्मान करेगी और उसी के अनुरूप आगे की कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने कहा कि कानून का पालन और न्यायिक प्रक्रिया का सम्मान सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री ने हल्द्वानी दौरे के दौरान पत्रकारों से बातचीत में कहा कि राज्य सरकार न्यायपालिका में पूर्ण विश्वास रखती है। बनभूलपुरा मामले में न्यायालय की ओर से दिए जाने वाले निर्देशों और आदेशों के आधार पर ही आगे की प्रक्रिया को आगे बढ़ाया जाएगा। सरकार की ओर से न्यायिक प्रक्रिया में किसी प्रकार का



हस्तक्षेप नहीं किया जाएगा और कानून के दायरे में रहते हुए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।



मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में कानून-व्यवस्था बनाए रखना सरकार की जिम्मेदारी है। इसके साथ ही प्रत्येक मामले में

संवैधानिक और न्यायिक प्रक्रियाओं का पालन सुनिश्चित किया जाना भी आवश्यक है। उन्होंने कहा कि सरकार न्यायालय के

आदेश का सम्मान करते हुए संबंधित सभी पक्षों के हितों और कानून के प्रावधानों के अनुरूप आगे बढ़ेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बनभूलपुरा मामले को लेकर सरकार का रुख पूरी तरह कानून और न्यायिक प्रक्रिया पर आधारित है। न्यायालय के निर्णय के बाद उसके अनुरूप आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि सरकार के लिए कानून का शासन सर्वोपरि है और किसी भी मामले में न्यायालय का फैसला आने के बाद उसी के अनुरूप संबंधित विभागों और अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए जाएंगे।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार न्यायालय के आदेशों का अक्षरशः पालन करने के लिए प्रतिबद्ध है। बनभूलपुरा मामले में भी न्यायालय का फैसला आने के बाद उसी के अनुरूप संबंधित विभागों और अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए जाएंगे।

राहुल गांधी की सेना पर टिप्पणी मामले में जल्द सुनवाई की मांग, सुप्रीम कोर्ट ने अर्जी दाखिल करने को कहा



कैनविज टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली । भारत जोड़ो यात्रा के दौरान कथित रूप से भारतीय सेना के खिलाफ टिप्पणी के मामले पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी के विरुद्ध दर्ज मामले में शिकायतकर्ता ने जल्द सुनवाई की मांग की है। उच्चतम न्यायालय ने उनसे इस बारे में अर्जी दाखिल करने को कहा। शिकायतकर्ता की ओर से वकील गौरव भाटिया ने मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली बेंच के सम्मक्ष मेंशन करते हुए कहा कि कोर्ट की रजिस्ट्री मामले को सुनवाई के लिए नहीं लगा रही है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी कोई ऐसे महत्वपूर्ण व्यक्ति नहीं हैं कि रजिस्ट्री महीनों से मामले को लिस्ट नहीं कर रही है। तब मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि हमें इस बात से कोई अस्पर नहीं पड़ता कि मामला किसका है। आप प्रक्रिया का पालन करते हुए अर्जी दाखिल कीजिए, सुनवाई जरूर होगी। उच्चतम न्यायालय ने चार

अगस्त, 2025 को राहुल गांधी के खिलाफ निचली अदालत में चल रही सुनवाई पर रोक लगाई थी। कोर्ट ने उत्तर प्रदेश सरकार और शिकायतकर्ता उदय शंकर श्रीवास्तव को नोटिस जारी कर तीन हफ्ते में जवाब मांगा था। सीमा सड़क संगठन के पूर्व डायरेक्टर उदय शंकर श्रीवास्तव ने राहुल गांधी के खिलाफ अवमानना का मामला दर्ज कराया था। राहुल गांधी ने निचली अदालत द्वारा जारी समन को रद्द करने की मांग की है।

राहुल गांधी पर आरोप है कि उन्होंने 9 दिसंबर, 2022 को भारतीय और चीनी सेनाओं के बीच हुई झड़प को लेकर सेना के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। शिकायतकर्ता का आरोप है कि राहुल गांधी ने बार-बार बहुत ही अपमानजनक तरीके से कहा कि चीनी सेना अरुणाचल प्रदेश में हमारे सैनिकों की ‘पिटायें’ कर रही है और भारतीय प्रेस इस संबंध में कोई सवाल नहीं पूछेगा।

विवाहिता की संदिग्ध मौत: मायके वालों का आरोप- ‘दहेज के लिए पीट-पीटकर मार डाला’

भागलपुर। जिले के बाईपास थाना क्षेत्र स्थित सन्हौली गांव में बुधवार को दहेज के दानव ने एक और विवाहिता की बलि ले ली। विवाहिता बीबी रेशमा (पति मोहम्मद सोहेल) की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत के बाद इलाके में सनसनी फैल गई है। मृतका की मां, बीबी हाजरा खातून ने ससुराल पक्ष पर अपनी बेटी को पीट-पीटकर हत्या करने का गंभीर आरोप लगाया है। इस घटना के बाद से मृतका के मायके परिवार में कोहलम मचा हुआ है। मृतका की मां बीबी हाजरा खातून ने रोते-बिलखते हुए बताया कि शादी के बाद से ही उनकी बेटी को ससुराल वालों द्वारा कम दहेज लाने के ताने दिए जाते थे। उन्होंने आरोप लगाया कि रेशमा को हमेशा दहेज के लिए मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया जाता था और अक्सर उसके साथ मारपीट की जाती थी। इसी प्रताड़ना के बीच अचानक उसकी मौत की खबर सामने आई, जिससे मायके पक्ष के लोग स्तब्ध हैं। पीड़ित परिवार ने पुलिस प्रशासन से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच करने और दोषियों के खिलाफ सख्त से सख्त कानूनी कार्रवाई करने की गुहार लगाई है।

सदर अस्पताल सुपौल में 45 वर्षीय महिला के 550 ग्राम ओवेरियन सिस्ट का सफल ऑपरेशन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सुपौल । सदर अस्पताल सुपौल में चिकित्सकों की टीम ने 45 वर्षीय महिला के 550 ग्राम वजन के ओवेरियन सिस्ट (अंडाशय की गांठ) का सफल ऑपरेशन किया। यह ऑपरेशन 8 सितंबर 2026 को डॉ. राजेश पासवान एवं ओटी टीम के सहयोग से सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। अस्पताल में उपलब्ध संसाधनों और विशेषज्ञ चिकित्सकीय टीम के बेहतर समन्वय से किए गए इस ऑपरेशन को जिले में स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है। अस्पताल में जटिल सर्जिकल सेवाएं उपलब्ध होने से मरीजों को उपचार के लिए दूसरे शहरों में रेफर किए जाने की आवश्यकता कम करने



में मदद मिल रही है। सदर अस्पताल प्रबंधन के अनुसार, अस्पताल में लगातार आवश्यक एवं जटिल सर्जिकल सेवाओं को स्थानीय स्तर पर उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा रहा है। इसी क्रम में 550 ग्राम के ओवेरियन सिस्ट का सफल ऑपरेशन चिकित्सा टीम की

दक्षता और टीमवर्क का उल्लेखनीय उदाहरण है। यह ऑपरेशन सिविल सर्जन डॉ. बाबू साहब झा की अध्यक्षता तथा उपाधीक्षक डॉ. नूतन वर्मा, जिला कार्यक्रम प्रबंधक बालकृष्ण चौधरी और अस्पताल प्रबंधक अभिनव आनंद का सफल ऑपरेशन चिकित्सा टीम की

के दौरान ओटी स्टाफ के साथ छात्र भी मौजूद रहे, जिससे उन्हें व्यावहारिक चिकित्सा एवं सर्जिकल प्रक्रिया को करीब से समझने का अवसर मिला। ऑपरेशन के बाद सिविल सर्जन डॉ. बाबू साहब झा ने चिकित्सक, ओटी स्टाफ और इसमें शामिल छात्रों का उत्साहवर्धन करते हुए पूरी टीम के कार्य की सराहना की। उन्होंने टीम के बेहतर समन्वय और कार्य के लिए सभी का मनोबल बढ़ाया। सदर अस्पताल में इस प्रकार के जटिल ऑपरेशन का सफल होना जिले के मरीजों के लिए राहत की खबर है। स्थानीय स्तर पर सर्जिकल सुविधाओं के विस्तार से मरीजों को अपने जिले में ही बेहतर उपचार उपलब्ध कराने और अनावश्यक रेफरल को कम करने में मदद मिलने की उम्मीद है।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश के अनुपालन में 15 सितम्बर तक उपलब्ध कराएं सूचना: डीएम

कैनविज टाइम्स संवाददाता

नई टिहरी । वन भूमि हस्तांतरण से संबंधित लंबित प्रकरणों की समीक्षा हुए डीएम नितिका खंडेलवाल ने अधिकारियों को समन्वय बनाकर कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों में मोटर मार्ग के नवनिर्माण कार्यों के लिए वन भूमि हस्तांतरण एवं क्षतिपूरक वृक्षारोपण से संबंधित प्रकरणों की भी समीक्षा की। बुधवार को कलेक्ट्रेट में हुई बैठक में टिहरी विधानसभा के अंतर्गत नैर से पुजाल्डी तक मोटर मार्ग के नवनिर्माण कार्य के लिए क्षतिपूरक वृक्षारोपण के लिए 3.4296 हेक्टेयर वन भूमि के सापेक्ष सिविल भूमि वन विभाग के नाम हस्तांतरित की गईं। डीएम ने एसडीएम धनौली अंशुल भट्ट को निर्देश दिए कि तहसील स्तर से संबंधित भूमि का प्रस्ताव तैयार कराते हुए ग्राम घंसी से संबंधित मूल खसरा,

खतौनी एवं नक्शा उपलब्ध कराएं। धनौली के अंतर्गत एनजीए रोड के कुखड़सारी से नकोट-चक्र, भद्रीसेरा मोटर मार्ग के नवनिर्माण कार्य से संबंधित वन भूमि हस्तांतरण प्रकरण में भी डीएम ने एसडीएम को प्रस्ताव प्रस्तुत करने को कहा। वहीं ज्वाना-कस्यूड, प्रतापनगर में रैंका-महरगांव से सदड़गांव-मुखेम, कड़ियालगांव पठोई, धनौली में मसोन-कांडी-द्वारागढ़ पर जयद्वार-सुरांशु तक मोटर मार्ग के नवनिर्माण कार्यों से संबंधित वन भूमि हस्तांतरण प्रकरणों पर भी विस्तार से चर्चा की गई। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के अनुपालन में 15 सितम्बर तक सूचना उपलब्ध कराने के भी निर्देश दिए गए। डीएम ने प्रत्येक उपखंड स्तर पर समिति गठित करने के भी निर्देश दिए। बैठक में डीएफओ टिहरी हिमांशु बागड़ी, एडीएम शैलेंद्र नेगी, एसडीएम आशीष धिंडियाल, कमलेश मेहता, मंजू राजपूत आदि मौजूद थे।

गणेश महोत्सव 15 सितंबर को, 14 सितंबर को मनाया जाएगा चौदचंद्र

सुपौल । वर्ष 2026 में गणेश महोत्सव एवं सिद्धिविनायक व्रत की तिथि को लेकर पंचांग परंपराओं के आधार पर अलग-अलग मत सामने आए हैं। मिथिला की पंचांग परंपरा के अनुसार इस वर्ष श्रीगणेश पूजनोत्सव एवं सिद्धिविनायक व्रत 15 सितंबर 2026, मंगलवार को मनाया जाएगा। वहीं चौदचंद्र (चौरचन) पर्व 14 सितंबर, सोमवार की शाम को मनाया जाएगा।

प्राप्त तिथि-गणना के अनुसार भाद्रपद शुक्ल चतुर्थी तिथि 14 सितंबर को सुबह 7:27 बजे प्रारंभ होकर 15 सितंबर को सुबह 8:03 बजे तक रहेगी। इसके बाद पंचमी तिथि शुरू हो जाएगी। धर्मशास्त्रीय परंपरा में एक मत के अनुसार गणेश पूजन के लिए मध्याह्न काल में चतुर्थी की व्याप्ति को प्रमुख माना जाता है। इस आधार पर 14 सितंबर को गणेश पूजन के लिए ग्राह्य माना जा सकता है, क्योंकि इस दिन मध्याह्न काल में चतुर्थी विद्यमान रहेगी। हालांकि, मिथिला पंचांग परंपरा, जिसमें कामेश्वर सिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय पंचांग एवं वैदेही पंचांग शामिल हैं ।

बच्ची से छेड़छाड़ पर पुजारी को पांच साल की कैद

कैनविज टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार । दस वर्षीय बच्ची से छेड़छाड़ के मामले में विशेष पॉक्सो न्यायाधीश लक्ष्मण सिंह की अदालत ने मंदिर के पुजारी प्रेम प्रकाश शर्मा को दोषी करार देते हुए पांच वर्ष के कारावास और पांच हजार रुपये के अर्थदंड की सजा सुनाई है। अदालत ने पीड़िता को मानसिक एवं सामाजिक क्षति के लिए 20 हजार रुपये की राशि दिए जाने के भी आदेश दिए हैं। शासकीय अधिवक्ता आदेश चंद चौहान ने बताया कि 14 जून 2023 की शाम महिला घरेलू सामान खरीदने गई थी। इस दौरान उसकी 10 वर्षीय बेटी पास स्थित हनुमान मंदिर चली गई। रात करीब 10 बजे महिला घर लौटी तो बच्ची ने बताया कि मंदिर के पुजारी प्रेम प्रकाश शर्मा ने उसे पकड़कर उसके कपड़े उतारने और अश्लील हरकत करने का प्रयास किया। बच्ची किसी तरह वहां से भागकर घर पहुंची। इसके बाद महिला ने पुजारी प्रेम प्रकाश शर्मा पुत्र वेद प्रकाश, निवासी हनुमान वाटिका, सर्वाेनंद पुल, लालजीवाला के खिलाफ पॉक्सो



अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कराया। शिकायत में आरोपी और उसके परिचितों पर महिला तथा उसके रिश्तेदारों के साथ मारपीट, गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी देने के आरोप भी लगाए गए थे। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपित को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। मामले की सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष की ओर से पांच गवाह अदालत में पेश किए गए। उपलब्ध साक्ष्यों और गवाहों के बयान के आधार पर अदालत ने आरोपी को दोषी करार देते हुए उक्त सजा सुनाई।

दुकरा के मेरा प्यार-2’ की अपार सफलता के बाद संचिता बसु ने भागलपुर में की प्रेस कॉन्फ्रेंस, तीसरे सीजन पर बरकरार रखा सस्पेंस भागलपुर । जियो हॉटेस्टार पर रिलीज हुई रचित वेब सीरीज ‘दुकरा के मेरा प्यार’ का दूसरा सीजन दर्शकों के बीच धूम मचा रहा है। प्यार, धोखा, बदला और राजनीति के ताने-बाने से बुनी इस सीरीज की शानदार सफलता के बाद मुख्य अभिनेत्री संचिता बसु ने बुधवार को भागलपुर स्थित अपने आवास पर एक प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया। प्रेस कॉन्फ्रेंस में मीडिया से मुखातिब होते हुए संचिता बसु ने कहा, ’’ दुकरा के मेरा प्यार ’ मेरे करियर का बेहद खास और दिल के करीब रहने वाला प्रोजेक्ट है। कई महीनों की कड़ी मेहनत के बाद सीजन 1 और फिर सीजन 2 की शूटिंग पूरी हुई थी। पहले सीजन की कामयाबी के बाद दर्शकों को इसके दूसरे सीजन का बेसब्री से इंतजार था और अब सीजन 2 को भी दर्शकों ने उम्मीद से बढ़कर प्यार दिया है। उन्होंने इस सीरीज को सफल बनाने के लिए अपने फैस और दर्शकों का आधार व्यक्त किया। सीरीज के प्रति दर्शकों की दीवानगी का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि इसके सीजन 2 के 50 एपिसोड पूरे होने तक सोशल मीडिया पर 10 लाख से अधिक रील्स बनाए जाने का दावा किया जा रहा है। वहीं, ओटीटी प्लेटफॉर्म पर यह सीरीज करोड़ों दर्शकों तक अपनी पहुंच बना चुकी है। वेब सीरीज के अगले भाग यानी सीजन 3 को लेकर जब संचिता से सवाल किया गया, तो उन्होंने सस्पेंस बरकरार रखते हुए कहा कि फिलहाल इसके बारे में कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दी जा सकती, इसके लिए दर्शकों को थोड़ा इंतजार करना होगा।